जेष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 151, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 28 जून 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

अगली सुनवाई 11 जुलाई को, विधायकों और उनकी फैमिली को सुरक्षा देने के निर्देश

बागी विधायकों को 'सुप्रीम' राहत

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एकनाथ शिंदे की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में बागी विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने और डिप्टी स्पीकर नरहरि जरवाल की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे। अदालत ने शिंदे गुट, महाराष्ट्र सरकार और शिवसेना की दलीलें सुनीं। इसके बाद कोर्ट ने विधायकों को अयोग्य ठहराने वाले डिप्टी स्पीकर के नोटिस पर जवाब देने के लिए 11 जुलाई तक का वक्त तय किया। अगली सुनवाई भी इसी दिन होगी। यह शिंदे गुट के लिए राहतभरा रहा। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र भवन, डिप्टी स्पीकर, महाराष्ट्र पुलिस, शिवसेना विधायक दल के नेता अजय चौधरी और केंद्र को भी नोटिस भेजा है। कोर्ट ने सभी विधायकों को सुरक्षा मुहैया कराने और यथा स्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया है। डिप्टी स्पीकर को अपना जवाब 5 दिन के भीतर पेश करना है। कोर्ट ने फ्लोर टेस्ट को लेकर कोई अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया है। कहा कि इससे गैरजरूरी दिक्कतें आएंगी।

शिंदे गुट: डिप्टी स्पीकर खुद सवालों में, फैसला कैसे ले सकते हैं?: सुप्रीम कोर्ट ने शिंदे गुट से सवाल किया कि आप पहले हाईकोर्ट क्यों नहीं गए। हमारे पास क्यों आ गए? इस पर शिंदे गुट की ओर से एडवोकेट नीरज किशन कौल ने कहा कि हमारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, हमें धमकाया जा रहा है और हमारे अधिकारों का हनन हो रहा है। ऐसे में हम आर्टिकल 32 के तहत सीधे सुप्रीम

कोर्ट आ सकते हैं। सबसे जरूरी मुद्दा यह है कि स्पीकर या डिप्टी स्पीकर तब तक कुर्सी पर नहीं बैठ सकते हैं, जब तक उनकी खुद की स्थिति स्पष्ट नहीं है। डिप्टी स्पीकर ने इस मामले में बेवजह की जल्दबाजी दिखाई। स्वाभाविक न्याय के सिद्धांत का पालन नहीं किया गया। जब स्पीकर की पोजिशन पर सवाल उठ रहा हो तो एक नोटिस के तहत उन्हें हटाया जाना तब तक न्यायपूर्ण और सही लगता, जब तक वे स्पीकर के तौर पर अपने अधिकारों का इस्तेमाल करने के लिए बहुमत न साबित कर दें। जब स्पीकर को अपने बहुमत पर भरोसा है तो वे फ्लोर टेस्ट से डर क्यों रहे हैं?

महाराष्ट्र सरकार और शिवसेना-बागियों का नोटिस सही नहीं था, खारिज कर दिया: अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट से कहा- बागी विधायक पहले

शिदें गुट के विधायक सुप्रीम कोर्ट क्यों गए

महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर ने एक नोटिस जारी कर शिवसेना के बागी विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया। इस नोटिस के खिलाफ शिंदे गुट के विधायक सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए। बागी विधायकों का तर्क है कि शिवसेना विधायक दल के 2 तिहाई से ज्यादा सदस्य हमारा समर्थन करते हैं। यह जानने के बाद भी डिप्टी स्पीकर ने 21 जून को पार्टी के विधायक दल का नया नेता नियुक्त कर दिया।

16 विधायकों की ओर से भी दाखिल की गई है अर्जी: भरत गोगावले, प्रकाश राजाराम सुर्वे, तानाजी जयवंत सावंत, महेश संभाजीराजे शिंदे, अब्दुल सत्तार, संदीपन आसाराम भुमरे, संजय पांडुरंग शिरसाट, यामिनी यशवंत जाधव, अनिल कलजेराव बाबर, लताबाई चंद्रकांत सोनवणे, रमेश नानासाहेब बोरनारे, संजय भास्कर रायमुलकर, चिमनराव रूपचंद पाटिल, बालाजी देवीदासराव कल्याणकर, बालाजी प्रहलाद किनिलकर। भरत गोगावले को बागी गुट अपना मुख्य सचेतक नियुक्त कर चुका है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने तुरंत सुनवाई से किया इनकार: एकनाथ शिंदे और बागी विधायकों के खिलाफ दाखिल याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। याचिका में कहा गया है कि बागी विधायकों ने अपने अधिकारिक दायित्वों की उपेक्षा की है।

हाईकोर्ट न जाकर सुप्रीम कोर्ट क्यों आए। शिंदे गुट बताए कि उन्हें इस प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया। किसी भी केस में ऐसा नहीं होता है, जब स्पीकर के सामने कोई मामला पेंडिंग हो और कोर्ट ने उसमें दखल दिया हो। जब तक स्पीकर फाइनल फैसला न ले ले, कोर्ट कोई एक्शन नहीं लेती। विधायकों ने डिप्टी स्पीकर के खिलाफ जो नोटिस दिया था, उसका फॉर्मेट गलत था। इसलिए उसे खारिज किया गया। ये रजिस्टर्ड ईमेल से नहीं भेजा गया था। इसे विधानसभा के दफ्तर में नहीं भेजा गया था। डिप्टी स्पीकर ने अपने अधिकार क्षेत्र में काम किया। जब तक इस मामले का फैसला न हो जाए, फ्लोर टेस्ट न किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट- बागी विधायकों को नोटिस के जवाब के लिए 11 जुलाई तक वक्त: महाराष्ट्र में यथास्थिति बरकरार रखी जाए। डिप्टी स्पीकर नरहरि 5 दिन के भीतर अपना जवाब पेश करें। शिंदे गुट के विधायकों को डिप्टी स्पीकर के अयोग्य ठहराने वाले नोटिस पर जवाब देने के लिए 11 जुलाई शाम साढ़े पांच बजे तक का वक्त दिया।

शिवसेना नेता संजय राउत को ईडी का समन

मुंबई: महाराष्ट्र में सियासी उठापटक झेल रही शिवसेना की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय यानी एऊ ने सांसद संजय राउत को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। राउत को यह नोटिस पात्रा चॉल जमीन घोटाले के मामले में जारी किया गया है। उन्हें कल ही पेश होने के लिए कहा गया है। नोटिस के बाद राउत ने कहा कि मैं मंगलवार को जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हो सकूंगा, क्योंकि मुझे अलीबाग में एक मीटिंग में शामिल होना है। उन्होंने एऊ के समन को साजिश करार देते हुए ट्वीट किया, 'अब मैं समझता हूं कि एऊ ने मुझे समन क्यों भेजा है। अच्छा है। महाराष्ट्र में बड़े घटनाक्रम चल रहे हैं। बाला साहेब के हम सभी शिव सैनिक एक बड़ी लड़ाई में शामिल हो गए हैं। यह साजिश चल रही है। मेरी गर्दन कट जाए तो भी मैं गुवाहाटी के रास्ते पर नहीं जाऊंगा। चलो। मुझे गिरफ्तार करो! जय महाराष्ट्र!'

ईडी ने 5 अप्रैल को राउत की संपत्ति कुर्क की: ईडी ने 1,034 करोड़ रुपए के पात्रा चॉल भूमि घोटाला मामले में महाराष्ट्र के बिजनेसमैन और राउत के करीबी प्रवीण राउत को फरवरी में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद इस केस में संजय राउत का नाम भी जुड़ा। 5 अप्रैल को ईडी ने इसी मामले में राउत के अलीबाग वाले प्लॉट के साथ दादर व मुंबई में एक-एक फ्लैट को भी कुर्क कर लिया था।

विपक्ष एकजुट: राष्ट्रपति पद के लिए यशवंत सिन्हा ने किया नामांकन

नई दिल्ली: विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने नामांकन दाखिल किया। इसके बाद उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उनके साथ ही, राहुल गांधी ने भी महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। नामांकन कार्यक्रम के दौरान विपक्ष ने एकजुटता दिखाते हुए शक्ति प्रदर्शन किया। 24 जून को एनडीए की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के नामांकन के समय सत्ता पक्ष के दिग्गजों का जमावड़ा लगा था। नामांकन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिका अर्जुन खड़गे, एनसीपी के प्रमुख शरद पवार, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, कम्युनिस्ट पार्टी के नेता सीताराम येचुरी और नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारुख अब्दुल्ला समेत कई विपक्षी दलों के

नेता मौजूद रहे। राहुल गांधी ने कहा है असली लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच है। सभी विपक्षी दल साथ-साथ हैं। उधर, 17 विपक्षी दलों के साथ ही यशवंत सिन्हा को तेलंगाना राष्ट्र समिति के प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने भी समर्थन देने की बात कह दी है। सिन्हा का मानना है कि उन्हें अभी और अदृश्य ताकतों का समर्थन मिलेगा।

यशवंत सिन्हा का द्रौपदी मुर्मू से मुकाबला: यशंवत सिन्हा का मुकाबला आदिवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मू से है। रविवार को सिन्हा ने एक इंटरव्यू के दौरान विपक्ष के इस दांव को लेकर कहा था कि एक व्यक्ति को ऊपर उठाने से पूरे समुदाय का उत्थान नहीं होता।

राष्ट्रपति भवन में अगर एक और रबड स्टांप आ जाए, तो यह विनाशकारी होगा। उन्होंने वादा किया था कि यदि वह चुनाव जीते तो किसानों, कामगारों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और हाशिये पर पड़े समाज के सभी वर्गों की आवाज को उठाएंगे।

आर्मी जवान ने दो अधिकारियों को गोली मारी

पठानकोट: पठानकोट के मीरथल स्थित 15 गार्ड बटालियन में एक जवान ने अपने दो अधिकारियों की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर आरोपी सैनिक फरार हो गया। हत्या के कारण का अभी तक कुछ पता नहीं चला है। मृतकों की पहचान पश्चिम बंगाल के जिला हुबली, नीर बोएपुर निवासी हवलदार गौरी शंकर हट्टी और महाराष्ट्र के जिला लातूर, बड़ेगांव निवासी तेलांगी सूयार्कांत शेशीराव के तौर पर हुई है। आरोपी गार्ड मैन सिपाही लोकेश कुमार ध्रुव छत्तीसगढ़ के जिला बलौदा बजार, गांव गदीदां का रहने वाला है।

जेहादी हिंसा, लव जेहाद और अवैध धर्मांतरण पर लगे पूर्ण रोक: विहिप

चेन्नई: विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण, अवैध धर्मांतरण, जेहादी हिंसा, लव जेहाद, हिन्दू मान्यताओं और देवी-देवताओं के प्रति हेट स्पीच के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए इन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। तमिलनाडु के कांचीपुरम में दो दिवसीय केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक के बाद सोमवार को चेन्नई में प्रेस कॉन्फ्रेंस में विहिप के संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि सभी राज्य सरकारों को अवैध धर्मांतरण और लव जेहाद पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कानून बनाना चाहिए। डॉ. जैन ने कहा कि विहिप उन राज्यों का स्वागत करती है, जिन्होंने अवैध धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की संवेदनहीनता के कारण तमिलनाडु में ईसाई मिशनरी द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों में हिन्दुओं को अवैध रूप से ईसाई बनाने का काम किया जा रहा है और इसके प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे ही एक प्रकरण में तंजावुर जिले में एक मासूम हिंदू बेटी लावण्या की जान चली गई। ऐसे बहुत से मामले हैं, जिनमें इस्लामिक कट्टरपंथी लव जेहाद के नाम पर हिंदू बेटियों को निशाना बना रहे हैं। रामनाथपुरम और मेलूर-मदुरै में ऐसी कई बेटियों को आत्महत्या तक करनी पड़ी है। ऐसी गतिविधियों में लिप्त अपराधियों को कड़ी सजा देकर तमिलनाडु सरकार को इन कुकृत्यों पर तत्काल रोक लगानी चाहिए, ताकि हिन्दू समाज पर हो रहे इस तरह के अत्याचारों पर अंकुश लग सके। विहिप की मांग है कि अवैध धर्मांतरण और लव जेहाद पर रोक लगाने के लिए तमिलनाडु सरकार भी एक धर्मांतरण विरोधी कानून बनाए।

पंजाब बजट: मान सरकार का शिक्षा-स्वास्थ्य पर फोकस

चंडीगढ़: पंजाब में स्कूली और उच्च शिक्षा का स्वरूप बदलने की सरकार ने कवायद शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पहले बजट में ही शिक्षा के क्षेत्र में पिछले साले के मुकाबले 15 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोत्तरी कर दी है। सरकार ने कुल बजट से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए 3131 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। नवगठित पंजाब सरकार के पहले बजट में स्कूलों और उच्च शिक्षा के लिए कुल बजट का 16.27 प्रतिशत हिस्सा रखा गया है। शिक्षा मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने बजट के बारे में बताया। समग्र शिक्षा अभियान के लिए 1231 करोड़ और मध्याह्न भोजन के लिए 473 करोड़ रुपये, स्कूल के बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए 424 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। स्कूल ऑफ एमिनेंस के रूप में 100 स्कूलों को अपग्रेड किया जाएगा। स्कूल ऑफ एमिनेंस के लिए 200 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं। 500 स्कूलों में डिजिटल क्लासरूम स्थापित किए जाएंगे। डिजिटल क्लासरूम के लिए 40 करोड़ और छात्र यूनिफॉर्म के लिए 23 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं।

जी-7: वैश्विक भलाई में भारत का अहम योगदान- मोदी

म्यूनिख/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को दुनिया के सात बड़े अमीर देशों के संगठन जी-7 की शिखर वार्ता में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने भारत की वैश्विक भलाई और जलवायु परिवर्तन रोकने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि जी-7 जलवायु, ऊर्जा और स्वास्थ्य से जुड़े सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरित विकास, स्वच्छ ऊर्जा, सतत जीवन शैली और वैश्विक भलाई के लिए भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं

जिसमें दुनिया की सात सबसे अमीर अर्थव्यवस्थाओं के नेता यूक्रेन युद्ध, खाद्य सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी सहित प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने यहां पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज से श्लॉस एल्मौ में मुलाकात की। शिखर सम्मेलन शुरू होने से पहले जर्मन चांसलर ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां जी-7 शिखर सम्मेलन स्थल पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से भी मुलाकात की। ग्रुप फोटो से पहले एक-दूसरे से संक्षिप्त बातचीत की। ग्रुप फोटो के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो के बगल में खड़े प्रधानमंत्री मोदी उनके साथ बातचीत की। इसी दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बिडेन प्रधानमंत्री मोदी की ओर चलकर गए और एक दूसरे का अभिवादन किया तथा गर्मजोशी से हाथ मिलाया। दोनों नेताओं का आज शाम को द्विपक्षीय बैठक करने का कार्यक्रम है।

इन माताओं का जीवन तपस्या से भरा, इन्हें समाज द्वारा जो तिरस्कार मिलता है, उसे बदलने की जरूरत: कोविंद

वृंदावन में निराश्रित महिलाओं की पीड़ा जानकर भावुक हुए राष्ट्रपति

मथुरा: राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सोमवार को अपनी पत्नी और बेटी के साथ तीर्थनगरी वृंदावन पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने ठाकुर श्रीबांकेबिहारी के दर्शन किए। मंदिर में करीब 40 मिनट तक पूजा पाठ किया और भगवान से देश की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उनके साथ में कृष्णा कुटीर की पांच माताएं भी शामिल रहीं। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। दर्शन के दौरान मंदिर परिसर में कड़ा पहरा रहा और किसी को प्रवेश नहीं करने दिया

गया। दर्शन-पूजन के बाद राष्ट्रपति कृष्णा कुटीर आश्रय सदन पहुंचे। यहां रहने वालीं निराश्रित माताओं ने तिलक लगाकर राष्ट्रपति का स्वागत किया। राष्ट्रपति आश्रय सदन में करीब एक घंटे तक रहे। उन्होंने माताओं से संवाद किया। उनके दुख-दर्द को जाना। इस दौरान कई महिलाओं के आंसू छलक आए। राष्ट्रपति भी भावुक हो गए। उन्होंने महिलाओं को ढांढस बंधाया।

राष्ट्रपति ने महिलाओं के बनाए उत्पाद देखे: राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कृष्णा कुटीर महिला आश्रय सदन में रहने वालीं माताओं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी भी देखी और उनकी सराहना की। इसके बाद महिलाओं को करीब 10 मिनट तक संबोधित किया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि इन माताओं का जीवन तपस्या से भरा है। इन्हें समाज द्वारा जो तिरस्कार मिलता है, उसे बदलने की जरूरत है। माताएं अपनी तपस्या के बल पर समाज को नई दिशा दे रही हैं। राष्ट्रपति का सोमवार सुबह 9.45 पर वृंदावन में आगमन हुआ। उससे पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां आ चुके थे। हेलीपैड पर राष्ट्रपति का स्वागत राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया।

केंद्रीय मंत्री डालेंगे तेलंगाना में डेरा

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 2-3 जुलाई को हैदराबाद में होनी है। इस बैठक से ठीक पहले दो दिन यानी 30 जून और एक जुलाई को केंद्र सरकार के सभी मंत्री तेलंगाना के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क करेंगे। इस दौरान वे जनता को केंद्र सरकार की नीतियों की जानकारी देंगे। इसके माध्यम से पार्टी तेलंगाना के विभिन्न वर्गों में अपनी पैठ बनाने की कोशिश करेगी। भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पार्टी से जुड़े सभी शीर्ष नेताओं को तेलंगाना में दो दिन पहले से डेरा डालने के लिए कह दिया गया है। मंत्रियों के अलावा पार्टी संगठन के शीर्ष पदाधिकारी, विभिन्न राज्यों के लोकप्रिय नेता और कार्यकर्ता अलग-अलग विधानसभाओं में लोगों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वे राज्य सरकार की नाकामियों के साथ-साथ केंद्र सरकार की उपलब्धियों के बारे में जनता को जागरूक करेंगे।

दक्षिण भारत अभियान में अहम तेलंगाना: तेलंगाना में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा तेलंगाना में अपने लिए विशेष संभावनाएं देख रही है। दक्षिण भारत में पार्टी की पहुंच अभी तक कर्नाटक तक सीमित रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ टीआरएस को कुल 119 विधानसभा सीटों में से 88 पर जीत मिली थी।

खबर संक्षेप

अटाला प्रकरणः फरार चल रहे पांच अभियुक्तों पर 25-25 हजार का इनाम

प्रयागराज। अटाला प्रकरण में फरार चल रहे पांच अभियुक्तों के खिलाफ 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया है। फरार चल रहे अभियुक्त धारा 143, 144, 145, 147, 148, 149, 153 (क), 153 (ख), 295 (क), 201, 511, 307, 332, 333, 353, 395, 435, 436, 427, 504, 505, 506, 120 बी सहित कई अन्य धाराओं में पिछले कई दिनों से वांछित चल रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने वांछित चल रहे उमर खालिद पुत्र सैयद मजहर खालिद (मिनहाजपुर शाहगंज), फजल खान (करेलाबाग करेली), आशीष मित्तल पुत्र विमल चंद्र मित्तल (सिविल लाइंस), जीशान रहमानी पुत्र हकीक अहमद (अहमदपुर अतरौली, पूरामुफ्ती) और शाह आलम पुत्र स्वर्गीय सैयद महमूद अहमद (गौसनगर, करेली) की गिरफ्तारी पर इनाम की घोषणा की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तीन दरोगाओ को नई तैनाती दी है। पुलिस लाइन में रहे पंकज कुमार भास्कर को इफको पुलिस चौकी का प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह विमलेश सिंह यादव को चौकी प्रभारी नाका और आशीष कुमार सिंह को चौकी प्रभारी सिकंदरा के पद पर तैनाती दी गई है। जबकि चौकी प्रभारी सिकंदरा के पद पर रहे दरोगा हीरालाल को पुलिस लाइन भेजा गया है। इसी तरह थाना बहरिया में तैनात दरोगा आकाश कुमार और महिला आरक्षी कुमारी प्रवेश को पुलिस लाइन भेजा गया है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर की टक्कर से स्कूटी सवार पत्नी व बच्ची की हुई मौत, पति गंभीर

छीतूपुर पेट्रोल पम्प के पास ईंट लदे टैक्टर से हुई टक्कर, आक्रोशित ग्रामीणों ने तीन घंटे सड़क किया जाम

सड़क जाम किए आक्रोशितो को समझाते ए एस पी चिराग जैन

घटना के बाद गमजदा रोते बिलखते परिजन

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर थाने की करमा चौकी क्षेत्र के छीतूपुर पेट्रोल पंप के पास सोमवार को ईंट से लदे ट्रैक्टर ने सामने से आ रहे स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दिया जिसमें स्कूटी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया तथा पीछे बैठी उसकी पत्नी व बेटी ट्रैक्टर के नीचे आ गईं जिससे घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। अकोढ़ा करछना निवासी जुनैद अहमद रविवार को अपनी पत्नी शबा सिद्दीकी व बेटी मरियम के साथ चंद्रभान का पूरा हथिगन अपनी ससुराल आया था। सोमवार को सुबह वह पत्नी व बेटी के साथ दवा लेने करमा आया था। दवा लेकर वह घर जा रहा था कि छीतूपुर के पास तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दिया। जुनैद दूर जा गिरा लेकिन उसकी 26 वर्षीया पत्नी शबा व सात वर्षीय बेटी मरियम ट्रैक्टर के नीचे आ गए जिससे दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। इसी बीच मौका देख ट्रैक्टर चालक गाड़ी छोड़कर मौके से भाग गया।

सूचना पर चौकी इंचार्ज उमाशंकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल जुनैद को अस्पताल भेजवाया। इस बीच जानकारी मिलते ही चंद्रभान का पूरा व अकोढ़ा से भारी संख्या में पुरुष व महिलाएं घटनास्थल पर पहुंच गए और सड़क जाम कर दिया। सूचना पर सीओ राजेश कुमार यादव तथा थानाध्यक्ष एएसपी चिराग जैन भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। मौके पर करछना व नैनी थाने की पुलिस भी बुला ली गई। पुलिस द्वारा दो घंटे तक समझाने बुझाने के बाद लगभग 12 बजे जाम हटाया गया जिसके बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया। मृतका शबा के परिजनों ने बताया कि वह गर्भवती थी।

न्यूज झरोखा

मऊआइमा में बडौदा बैंक शाखा का हुआ उद्घाटन

मऊआइमा। बडौदा उत्तर प्रदेश बैंक शाखा मऊआइमा का फीता काट कर रीजनल मैनेजर ने उद्घाटन किया। नए स्थान पर बैंक खुलने से लोगों में हर्ष व्यापत है। सोमवार को बडौदा उत्तर प्रदेश बैंक की शाखा का उद्घाटन मऊआइमा के ग्राम सुलतानपुर खास पेट्रोल पंप के बगल फोर लेन पर रीजनल मैनेजर जे एस राय ने किया। उन्होंने ने आए हुए ग्राहकों से कहा कि सरकारी हर योजनाओं का लाभ पहुंचाना बैंक का उददेश्य है। रीजनल मैनेजर ने कहा कि कृषि बीमा ,के सी सी ,सहित अनेकों योजनाओं को हर किसानों को पहुंचाना उनका मकसद है। असंतुष्ट ग्राहकों को संतुष्ट करना बैंक कर्मचारियों की पूरी जिम्मेदारी है । बता दें कि पूर्व में उक्त बैंक मऊआइमा नगर पंचायत में थी।सोमवार को नये भवन में चली गई । उदघाटन में मऊआइमा शाखा प्रबंधक शौरभ यादव ,शाखा प्रबंधक नासिर अहमद ,हरिसेनगंज शाखा प्रबंधक सुरेश चन्द्र ,आर एन राज ,तथा अन्य कर्मचारी अमित गुप्ता ,फूलचंद्र गुप्ता ,त्रिभवन सिंह एंव संभ्रान्त लोगों में मुन्ना ,आनन्द साहू ,राकेश कुमार ,बृजेश कुमार,दानिश फारूकी आदि बडी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गांजा तस्कर और वारंटी गिरफ्तार

शंकरगढ। शंकरगढ़ पुलिस ने एक गांजा तस्कर और एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि थाने की पुलिस टीम ने गश्त के दौरान गदामार के आगे अमरपुर के पास तिराहे से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने अपना नाम गुड्डू उर्फ मोहम्मद इश्तियाक खान बताया।शंकरगढ़ के पंखा टोला निवासी इश्तियाक खान के पास से 1.2 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। गांजा बरामदगी के बाद सब इंस्पेक्टर ऋतुराज सिंह ने हिरासत में लेकर थाने पर लिखा पढ़ी के बाद आरोपी का चालान भेज दिया। इसी क्रम में शंकरगढ़ थाने के सबइंस्पेक्टर अजीत कुमार वर्मा ने भीम कुमार उर्फ कल्लू को गिरफ्तार किया है। धारा 363/ 366/376 के आरोपी भीम कुमार शंकरगढ़ के लखनपुर का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी का चालान भेज दिया है।

व्यवसायी के साथ हुई छिनैती अज्ञात के खिलाफ शिकायत

करछना। थाना क्षेत्र के निबैया गांव निवासी एक व्यवसायी का दुकान बंद करके घर लौटते समय रविवार देर शाम को कुछ अराजक तत्वों ने रास्ते में रोककर तकरीबन दस हजार रुपए छीन कर भाग गए ।सोमवार को पीड़ित भुक्तभोगी की ओर से करछना थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ लिखित तहरीर दी गयी है । करछना थाना क्षेत्र के निबैया गांव निवासी विजय शंकर पुत्र राममनी यादव व भाई बड़कऊ यादव की भडेवरा बाजार में मिष्ठान की दुकान है। रविवार को दोनों भाई देर शाम दुकान बंद करके बड़कऊ यादव भुवालपुर गांव में शिव कुमार पाल के यहां निमंत्रण में चले गए ।वही विजय शंकर यादव व साथ में रहे सत्येंद्र कुशवाहा व अजीत यादव निबैया गांव की ओर जाने लगे ।पीड़ित भुक्तभोगी विजय शंकर यादव ने बताया कि डाभी गांव निवासी रंगई सोनकर पुत्र जयकरन सहित अन्य लोगों ने रास्ते में रोककर मारपीट की। जिससे सत्येंद्र कुशवाहा को चोटें भी आयी।और ?9850 छीन कर भाग गए ।और एससी एसटी मुकदमे की धमकी भी दी।

गांव सभा की जमीन पर चौकीदार का कब्जा, शिकायत

रत्योंरा। कोरांव तहसील क्षेत्र के खजुरी खुर्द गांव में महिला ग्राम प्रधान अर्चना देवी पत्नी रमाशंकर केसरी ने उप जिलाधिकारी कोरांव से गांव के ही चौकीदार पर गांव सभा की जमीन पर जबरन अवैध कब्जा करने की शिकायत की है। ग्राम प्रधान ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि चौकीदार रामू पुत्र मधई गांव के नवीन परती खाते की भूमि पर जबरन अवैध कब्जा कर लिया है। लेखपाल के मना करने के बाद भी कह रहा है कि मेरा तहसील और थाना कुछ भी नहीं कर सकता। ग्राम प्रधान ने अतिचारी चौकीदार पर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रमाशंकर केसरी ने तहसील प्रशासन व पुलिस प्रशासन से गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे चौकीदार पर कार्रवाई की मांग की है।

आदिवासी अधिकार मंच के कार्यकर्ताओं ने कोरांव चौराहे पर किया चक्का जाम

अखंड भारत संदेश

हक अधिकार व कई मामलों में कार्रवाई को लेकर काटा हंगामा, मंच के प्रदेश अध्यक्ष रज्जन कोल समेत कई कार्यकताओं को पुलिस ने जबरन लिया हिरासत में

रत्योंरा। कोरांव बाजार के मुख्य गोल चौराहे पर आदिवासी अधिकार मंच के कार्यकताओं ने अपनी विभिन्न मांगो को लेकर के हाथ में तख्तियां व झंडे लेकर प्रदर्शन करते हुए सोमवार को दोपहर में चक्का जाम कर दिया। जिससे कुछ समय के लिए बाजार में आवागमन भी बाधित रहा। चक्का जाम कर रहे कार्यकताओं व पुलिस से नोकझोंक भी हुई। अंततः पुलिस के समझाने बुझाने के बाद भी न मानने पर पुलिस ने जबरन बल प्रयोग करते हुए आदिवासी अधिकार मंच के प्रदेश अध्यक्ष रज्जन कोल को हिरासत में ले लिया। प्रदेश अध्यक्ष को जबरन हिरासत में लेने के बाद कार्यकर्ता चौराहे से थाने का घेराव करने बाजार से थाने वाली गली में अंदर घुसे पुलिस बल के जवानों एवं महिला कर्मियों के द्वारा महिलाओं एवं पुरुषों को थाने जाने से रोक दिया गया। जिससे प्रदर्शनकारी वहां से बैरंग वापस लौट गए। आदिवासी अधिकार मंच के प्रदेश अध्यक्ष के अलावा कई अन्य कार्यकताओं को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। प्रदर्शनकारी आदिवासियों के हक एवं अधिकार की बात कर रहे थे। उनका आरोप था कि गांवो में दलितों गरीबों को किए गए पट्टे की जमीनों पर उन्हें कब्जा दखल नहीं दिया जा रहा है। राजापुर में किसी लड़की के अपहरण के मामले में कार्रवाई न करने, बैदवार में आदिवासी का घर गिरा दिए जाने के मामले में एफआईआर पंजीकृत न करने सिलौधी में पट्टे की जमीन पर कब्जा न दिलाने समेत कई मांगों को लेकर के आदिवासी अधिकार मंच के कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए कोरांव बाजार में चक्का जाम किया था। पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए चौराहे से चक्का जाम को खत्म कराया। जिसके बाद आवागमन बहाल हो सका। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष के अलावा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश, विधानसभा अध्यक्ष चंद्रशेखर, ब्लॉक सचिव विवेक कुमार समेत सैकड़ों की संख्या में आदिवासी अधिकार मंच के महिला पुरुष कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

चकमार्ग पैमाइश के लिए महीनों लगाने पड़ रहे चक्कर, जिम्मेदार मौन!

एसडीएम तहसीलदार, कानूनगों और लेखपाल के पास भटकते रहते है फरयादी, तालाब और नाली को भी नही कराया जा रहा खाली

रत्योंरा। कोरांव तहसील में जमीनों की पैमाइश करानी हो या वरासत की रिपोर्ट लगवानी हो इसके लिए राजस्व विभाग की परिक्रमा करने वाले को निराशा देखने को मिलती है। फरयादी को महीनों दौड़ने के भी बाद लेखपाल और कानूनगों मौके पर जाना मुनासिब नही समझते है।वही एसडीएम व तहसीलदार को भी फुर्सत नहीं होती की कभी स्वंम मौके पर जाकर किसी विवाद का निस्तारण कर दे इसी तरह सरकारी तालाब बंजर चकमार्ग व नाली को दमंगो से अवैध कब्जा खाली नहीं कराया जा सका है। सरकार के द्वारा अवैध कब्जा करने वाले भूमाफियाओं पर करवाई करने का आदेश भी जारी किया गया किन्तु विभागीय अधिकारी मनमानी पर उतारू पर देखे जा रहे हैं।मामला तहसील क्षेत्र कोरांव के मलीपुर गाँव चकमार्ग संख्या 159पर एक दमंग भूमाफियाओं के द्वारा विगत कई वर्षों से चकमार्ग पर कब्जा कर आवागमन बाधित किया है।ग्रामीण अरुण कुमार सिंह पुत्र हरिशंकर ने मामले की शिकायत तहसील समाधान दिवस पर दर्ज कराई किन्तु हल्का लेखपाल के द्वारा चकमार्ग की पैमाइश नही कराई गई जबकि एसडीएम के आदेश के बावजूद भी अभी तक हल्का लेखपाल अमित कुमार यादव के द्वारा हीलाहवाली करते हुए महीनों से फरयादी को टहलाया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने बताया कि चकमार्ग खाली कराने के लिए तहसील में कई बार शिकायत दर्ज कराया है।लेकिन लेखपाल के द्वारा हीलाहवाली किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि बरसात का मौसम आ गया है अगर तहसील प्रशासन के द्वारा चकमार्ग खाली नहीं कराया गया तो ग्रामीणों को जुताई करने के समय ट्रैक्टर ले आने जाने में काफी दिक्कतें होगी अगर चकमार्ग अधिकारियों के द्वारा खाली नही कराया गया तो किसानों की खेत की जोताई नही हो पाएगी।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी प्रयागराज का ध्यान आकर्षित कराते हुए लापरवाही लेखपाल पर कार्यवाही व चकमार्ग खाली कराने की मांग की है।

उप चुनाव में बड़ी जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष

अखंड भारत संदेश

सहसों। उत्तर प्रदेश के रामपुर एवं आजमगढ़ लोकसभा उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी घनशाम लोधी एवं दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ की ऐतिहासिक जीत पर सहसों में भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने एक दूसरे को मुंह मीठा करा कर हर्ष जताते हुए बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा गंगापार जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल ने कहा कि यह जीत माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जनता के प्रति किए गए विकास कार्यों को देखते हुए जनता संतुष्ट होकर अपनी मुहर लगाई तथा योग्य प्रत्याशी को चुना। उन्होंने कहा इस शानदार जीत पर हम गंगापार प्रयागराज भाजपा कार्यकताओं की तरफ से जीत हांसिल किए दोनों प्रत्याशियों एवं देवतुल्य मतदाताओं को शुभकामनाओं सहित बार-बार बधाई देते हैं। इस मौके पर विमलेश पटेल, देवराज सिंह, जय शुक्ला, अनूप शुक्ला, पंकज ओझा, शिव नारायण सिंह गप्पू , पुष्कर सिंह, संदीप दुबे, भूपेंद्र मिश्रा, मिथिलेश बिंद, मनोज तिवारी, रविंद्र सिंह सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी तरह सुखदेव सिंह महाविद्यालय

हसनपुर कसेरूआ कला में उपचुनाव में दोनों सीटों के परिणाम आने एवं इस ऐतिहासिक जीत पर भूमि विकास बैंक फूलपुर अध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में कार्यकताओं ने जश्न के माहौल में खुशी मनाते हुए सबका मुंह मीठा कराया तथा पटाखे फोड़े एक दूसरे को गले लगाकर बधाई दी। इस अवसर पर प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल, संजय सिंह, अनिल कुमार सरोज, पवन कुमार शुक्ला, जितेन्द्र कुमार पटेल, राजेन्द्र यादव, विमल कुमार सिंह, प्रमोद शुक्ला, जेपी शुक्ला, रंजना परिहार, अमन सिंह राजपूत, दया सिंह पटेल सहित अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

कुंदौरा महादेव मंदिर प्रांगण से चार महिलाओं की सोने की चैन चोरी

धनूपुर। सरायममरेज थानांतर्गत धनूपुर ब्लॉक में स्थित कुंदौरा ग्राम सभा में कुंदौरा महादेव का प्राचीन शिव मंदिर है। यहां पर बहुत दूर-दूर से दर्शनार्थी भक्त महादेव का दर्शन करने प्रत्येक सोमवार को आते हैं इस मंदिर की ख्याति आदिकाल से है। महिलाएं, पुरुष, बच्चे सब नाचते गाते मंदिर पर आते हैं काफी लोग निशान चढ़ाने आते हैं। 27 जून सोमवार को मंदिर प्रांगण में महादेव के दर्शन हेतु आई 4 महिलाओं का सोने का चैन चोरी हो गया। जिसमें एक महिला ने चोर को पकड़ा लेकिन प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार मंदिर कमेटी के ही लोग उस चोर को छुड़ा दिए उस महिला का सोने का चैन बरामद हो गया। बाकी तीन महिलाओं का सोने की चैन बरामद नहीं हो सका चोर फरार हो गए मंदिर में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है लेकिन वह बंद था चोरी को लेकर भक्तों में आक्रोश व्याप्त।

अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेसियों ने दिया ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

करछना। कांग्रेस पार्टी के आवाहन पर अग्नि पथ योजना का विरोध जताते हुए करछना तहसील मुख्यालय पर धरना के बाद महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित उपजिलाधिकारी के प्रतिनिधि नायाब तहसीलदार को रंगराज सिंह उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में दिया गया जिला उपाध्यक्ष प्रभारी संगठन विवेक पाण्डेय ने कहा कि देश के हित में देश की जनता के हित में अग्नि पथ भर्ती योजना सरकार को वापस लेना चाहिए केन्द्र सरकार द्वारा जो अग्नि पथ भर्ती योजना लाई गई उसका देश के कोने कोने में विरोध हो रहा है युवा सड़कों पर है उनमें भारी रोष है कांग्रेस पार्टी युवाओं की मांग का समर्थन करती है और उनसे अपील करती है कि युवा शांति और संयम का रास्ता अपनायें जिला महासचिव डा दिनेश कुमार सोनी ने कहा कि भाजपा सरकार देश की जनता को गुमराह कर रही है अग्नि पथ भर्ती योजना न तो राष्ट्रहित की सुरक्षा के हित में है और ना ही राष्ट्र हित में और ना ही देश के नौजवानों के हित में अग्नि पथ भर्ती योजना लाने की आवश्यकता क्यों पड़ी भारत देश की फौज दुनिया की सबसे बहादुर सेना है जांबाज सेना है दुनिया में उसकी सर्वोत्तम साख है अग्नि पथ भर्ती योजना में अपना सम्बोधन देने वालों में नागेश पांडेय शिव बिजय सिंहजी नारायण द्विवेदी पक ाश पाण्डेय आशीष कुमार मिश्र एंडो सुरेश कुमार पटेल विनय कृष्ण पांडेय रमेश तिवारी एडवोकेट रविराज सिंह एडवोकेट रोशन लाल पटेल कौशलेंद्र गौण अकबाल बहादुर विद्या धर मिश्र एडवोकेट शारदापशाद गूरुचरन आदि शामिल रहे।

अग्निपथ योजना सरकार वापस ले : संजय तिवारी

प्रतापपुर। कांग्रेस कमेटी के देशव्यापी आवाह्न पर अग्निपथ योजना को लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में विरोध दर्ज कराने के लिए रस्तीपुर चौराहे पर सत्याग्रह पर बैठे और अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग की। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी एवं प्रदेश सचिव संजय तिवारी ने कहा कि अग्निपथ योजना के माध्यम से मोदी सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है सरकार को इस योजना को तुरंत वापस लेना चाहिए और जब तक सरकार यह वापस नहीं लेगी कांग्रेस संघर्ष करती रहेगी। इस अवसर पर मधुसूदन पांडेय, कमलेश पांडेय, अंकुर पांडेय, संजय उपाध्याय लाडले, आदर्श प्रजापति, राजेश भारतीय, शालिगराम पटेल, त्रिलोकी नाथ गुप्ता, राजकुमार यादव, पिंटू यादव, दिनेश पासी, मोनू पासी, विजय बहादुर सरोज, मुख्तार अहमद, मोहम्मद इस्लाम आदि लोग सत्याग्रह मौजूद रहे।

तीस्ता सीतलवाड़ और आर बी श्रीकुमार की गिरफ्तारी के खिलाफ नागरिक समाज ने किया प्रतिरोध

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। धरना स्थल,पत्थर गिरजा, सिविल लाइंस में इलाहाबाद नागरिक समाज की तरफ से शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आर बी श्रीकुमार की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रतिरोध धरना करते हुए तत्काल रिहाई की मांग की गई। प्रतिरोध धरने को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि 2002 के गुजरात जनसंहार पीड़ितों के लिए न्याय का अभियान चलाने वाली तीस्ता सीतलवाड़ और आरबी श्रीकुमार की गिरफ्तारी को बदले की कार्रवाई है, इसकी हम सब कड़ी निंदा करते है, इनकी अविलंब रिहाई की मांग करते है .

आज के प्रधानमंत्री और तब के गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के दौरान 2002 का बर्बर गुजरात जनसंहार हुआ था, जिसमें

धरना प्रदर्शन करते संगठन के लोग

हजारों मुसलमानों को मौत के घाट उतार दिया गया था। तीस्ता सीतलबाड़ और अन्य सत्ता के संरक्षण में घटित इस मुस्लिम विरोधी हिंसा में निचली अदालत द्वारा नरेन्द्र मोदी को दी गई क्लीन चिट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस अपील को खारिज कर दिया. उसके महज 24 घंटे के अंदर बदले की भावना से प्रेरित होकर तीस्ता सीतलबाड़ और अन्य के खिलाफ का मुकदमा दायर कर उन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया. यह न्याय का मजाक नहीं तो और क्या है ? कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नरेंद्र मोदी को दोषमुक्त करने पर रोक तो नहीं लगी, लेकिन न्याय के पक्ष में उठने वाली आवाज को दबाया जा रहा है. हम भारत के आम नागरिकों से आह्वान करते हैं कि न्याय का मजाक बनाए जाने की इस प्रक्रिया के खिलाफ न्याय के पक्ष में खड़े हों। कार्यक्रम के अंत में सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ एवं आर बी श्रीकुमार तत्काल रिहा किया जाय, मानवाधिकार कार्यकर्ताओ पर दर्ज फर्जी मुकदमे वापस लिया जाय, लोगों के नागरिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों की हर कीमत पर रक्षा की जाय इत्यादि मांगों का ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति जी, भारत सरकार को सम्बोधित द्वारा प्रयागराज एसीएम 2 के को सौंपा गया,धरने में मुख्य रूप से आनन्द मालवीय,अधिवक्ता मंच संयोजक राजवेंद्र सिंह, एम सईद, स्मृति कार्तिकेय, नौशाद खा, सबीहा मोहानी, खुशनुमा, उत्तपला शुक्ला, गायत्री गाँगुली, शिद्धेस्वर मिश्रा, सरताज सिद्दकी, कसान सिद्दकी धर्मेंद्र सिंह, मो आजम, शादाब, सतेंद्र आजाद, नितेश, दिनेश कुमार यादव, आबिदा खातून, नदीम खान, देवेंद्र आजाद, राजू, विनोद तिवारी, प्रो सूर्यनारायण, अनिल वर्मा, सुनील मौर्य,आशुतोष तिवारी,अन्नू सिंह, मनीष सिन्हा, सोनी आजाद, विश्वेश्वर राजरत्नम,अम्बरीष, रत्नेश यादव, विकाश स्वरूप,आशुतोष कुमा इत्यादि लोग धरने में शामिल रहे, धरने की अध्यक्षता पीयूसीएल के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट रवि किरण जैन ने और संचालन डॉ कमल उसरी ने किया।

घर में घुस कर की पिटाई व अश्लील हरकत, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। जमीनी विवाद को लेकर विपक्षी घर में घुस कर मारे पीटे और तोड फोड किए एंव ब्लाउज फाड दिए। महिला ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सराय जीत राय परानी का पूरा निवासनीय एक महिला का आरोप है कि जमीनी विवाद को लेकर विपक्षी उसके घर में घुस कर मारे पीटे और तोडफोड़ किए तथा बहू का ब्लाउज फाड दिए ।तथा अश्लील हरकतें किए। महिला ने मऊआइमा थाने में जनार्दन यादव ,धंनजय यादव ,मंजीत यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में प्रवेश प्रारंभ

जंघई। नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में बीए, बीएससी, एमए कक्षा में प्रवेश प्रारंभ है यह जानकारी देते हुए प्राचार्य प्रो0 राजीव मालवीय ने छात्र छात्राओं को बताया है कि महाविद्यालय कार्यालय से प्रवेश फार्म लेकर प्रवेश समिति के शिक्षकों से फार्म अग्रसारित करवा कर प्रवेश ले सकते हैं पठन पाठन का कार्य जुलाई माह से प्रारंभ हो जाएगा।

कार्यकर्ता उत्पीड़न कत्तई बर्दाश्त नही होगा : गणेश प्रसाद मिश्र

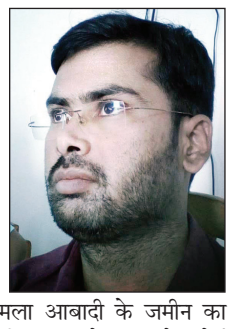

कोराव। प्रयागराज।सुमित कुमार पांडेय मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा कोरांव मंडल विधानसभा कोरांव के ऊपर पूरी तरह निर्दोष होते हुए भी जिस प्रकार से अन्यायपूर्ण तरीके से एफआईआर दर्ज कराई गई है, यह हर कार्यकर्ता के मनोबल को तोड़ने वाली है,पूरा भाजपा परिवार सुमित के साथ है, इस प्रकरण सीओ मेजा द्वारा एसओ खीरी से कराई गई जांच व जिस वीडियो के आधार पर मुकदमा दर्ज कराया गया है, उस वीडियो में स्पष्ट नजर आ रहा कि सुमित पूरी तरह बेकसूर है, मामला आबादी के जमीन का है,जिस पर सुमित के परिवार का कब्जा है, एसडीएम द्वारा लेखपाल से रिपोर्ट मंगाई गई है,ऐसे में सारे पक्षो को जानते हुए भी एफआईआर दर्ज करना पूर्णतया अनुचित है, कोई भी विकलांग या महिला के नाम पर किसी के ऊपर फर्जी मुकदमा नही करा सकता। इस प्रकरण में सीओ मेजा की भूमिका पूरी तरह संदिग्ध है और सपाइयों के दबाव में एफआईआर लिखी गयी है। इस प्रकरण को अपने उच्च स्तर के नेताओ को अवगत कराया गया है, दर्ज एफआईआर में जल्द टीम गठित कर जल्द से विवेचना कराकर सुमित को निर्दोष साबित कराया जाएगा साथ ही उच्चाधिकारियों व प्रदेश के नेताओ से सीओ मेजा को बर्खाश्त करने व मेजा से हटाने की मांग की गई है। मैं हर कार्यकर्ताओ को आश्वासन देता हूँ कि अपने हर कार्यकर्ताओ के साथ तन मन धन से समर्पित हुँ किसी के साथ अन्याय नही होने दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

कबाड़ दिलाने के नाम पर व्यापारी को लगाई लाखों की चपत

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के अंदावा स्थित एक चार पहिया वाहन के शोरूम से कबाड़ दिलाने के नाम पर शातिरों ने व्यापारी को लाखों की चपत लगाकर फरार हो गए। पीड़ित ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस से की है। फूलपुर थाने के बाबूगंज भुलई का पूरा निवासी वाशिम कबाड़ का व्यापारी है। उसने बताया कि दो दिन पहले उसकी दुकान पर राठौर सिंह नामक व्यक्ति आया और बोला की वह अंदावा स्थित एक चार पहिया वाहन के शोरूम में काम करता है। वहा से कबाड़ दिलाने के लिए सोमवार को बुलाया था। आरोप है कि वह सोमवार को शोरूम पहुच जहा गार्ड ने गाड़ी का काटा कराया राठौर सिंह के साथ तीन चार लोग मिलकर शोरूम के अंदर से गाड़ी में माल लोड कराया गाड़ी निकलते वक्त उसने व्यापारी से एक लाख लिया और बोला पैसा जमा कर पर्ची ले आ रहा हूं काफी देर तक जब वह नहीं लौटा तो वसीम मैनेजर के पास पहुंचे मैनेजर ने बताया कि यह किसी ने कोई पैसा नहीं जमा किया है। पुलिस मामले में शोरूम के कुछ कर्मचारियों की भी भूमिका संदिग्ध मानकर जांच कर रही है।

महिला ने प्रेमी संग की पति की गला घोटकर हत्या

ग्रामीणो द्वारा महिला के प्रेमी की जमकर हुई पिटाई प्रेमी की भी हुई मौत

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के धरी गांव में रविवार रात हुई घटना से गांव में हडकम्प मच गया। विगत रात्रि करीब 3 बजे धरी गांव निवासी एक युवती गेंदा देवी ने अपने प्रेमी राम बाबू निवासी करछना थाना पचदेवरा गांव का के संग मिलकर अपने पति संतोष कुमार की गला दबाकर हत्या कर दिया। जानकारी होने पर संतोष के सगे भाई और गाँव के कुछ अन्य लोगों ने मिलकर राम बाबू को पकड कर पिटाई कर दी गंभीर चोट लगने से उसे बेहोशी की हालत में रामबाबू को अस्पताल भेजा गया जहाँ उसे मृत घोषित किया गया। आरोपी महिला मृतक संतोष कुमार की पत्नी गेंदा देवी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पूछताछ जारी है।संतोष उम्र करीब 40 वर्ष और रामबाबू उम्र करीब 40 वर्ष मजदूरी करते थे और अच्छे दोस्त थे। दोनों ही शराब पीने के आदी बताए जा रहे हैं। पिछले 6 माह से रामबाबू का संतोष के घर पर आना जाना अधिक था , तथा घटना के दस दिन पहले से ही राम बाबू संतोष के ही घर पर रह रहा था दोनों की दोस्ती के दौरान रामबाबू का संतोष की पत्नी गेंदा देवी से प्रेम संबंध हो गया, और था जिसको लेकर फिर इस को अंजाम दिया मौके पर पुलिस बल मय राजपत्रित अधिकारी ने पहुच कर वैधानिक कार्यवाही करते हुए शवों को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है करछना पुलिस के मुताबिक पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद एवं हत्या में शामिल लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारवाई की जायेगी।

मृतक पति के घर पुलिस बल के जवान जांच पडताल करते हुए

विधायक के बेटे की गाड़ी से हूटर निकालना दरोगा को पड़ा महंगा!

मेजा रोड। विधायक के बेटे की गाड़ी में लगा हूटर निकलवाना मेजा थाने के एक दरोगा को महंगा पड़ा। घटना स्थल पर हुई नोकझोंक के बाद विधायक की शिकायत ऊपर तक पहुंची और रविवार शाम को दरोगा सूर्य प्रकाश सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस महकमें में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले यानी बीते शुक्रवार को मेजा थाना क्षेत्र में कोड़हार चौकी प्रभारी सूर्य सिंह गाड़ियों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक हूटर बजाते हुए गाड़ी निकली तो दरोगा ने उसे रोक लिया। दरोगा को पता नहीं था कि गाड़ी में विधायक का बेटा बैठा हुआ है। इस दौरान हूटर निकलवाने पर विधायक के बेटे से नोकझोंक हो गई। मामला बढ़ गया और एक दूसरे को देखदेन की बात भी सामने आई। उस वक्त किसी तरह से मामला शांत हो गया लेकिन दरोगा के खिलाफ ऊपर तक शिकायत कर दी गई। दो दिन बाद रविवार को दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया। इस मामले में एसएसपी और एसपी यमुनापार से संपर्क नहीं हो सका। मेजा थाना प्रभारी मेजा धीरेंद्र सिंह ने बताया कि रविवार को लाइन हाजिर होने की जानकारी मिली है। दो दिन पहले एक हूटर लगी गाड़ी रोकने को लेकर विवाद हुआ था।

कोमा में गए बुजुर्ग का आक्सीजन मास्क निकाला, परिजनों से मारपीट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित एक अस्पताल में युवक ने कोमा में गए मरीज का आक्सीजन मास्क निकाल दिया। इतना ही नहीं घर वालों के साथ मारपीट की। परिवार की एक युवती के कपड़े भी फाड़ दिए। घटना से अस्पताल में हंगामा मच गया। डाक्टरों ने तुरंत मरीज का मास्क लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ सिविल लाइंस में हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सुलेम सराय धूमनगंज के रहने वाले एक परिवार के बुजुर्ग की तबियत काफी खराब थी। 26 जून को बुजुर्ग को गोविंद सिंह मेमोरियल हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। कोमा में गए बुजुर्ग मरीज को आक्सीजन मास्क लगाया गया था। उसी समय उनके पड़ोस में रहने वाला ऋषभ कुशवाहा वहां पहुंचा और परिवार की एक युवती से अभद्रता करने लगा। उसे गालियां देने लगा। परिवार वाले हक्के बक्के रह गए। युवती के भाई ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने उसे पीटा और चश्मा तोड़ दिया। बहन ने बचाव करने की कोशिश की तो गला दबाकर उसके कपड़े फाड़ दिए। ऋषभ ने वहां तोड़फोड़ भी की। मरीज का ऑक्सीजन मास्क निकालकर फेंक दिया तो वह तड़पने लगे। शोरगुल सुनकर स्टाफ इकट्ठा हा गया। तुरंत दोबारा आक्सीजन मास्क लगाया गया। तब तक आरोपी ऋषभ कुशवाहा वहां से भाग निकला था।वहां से निकलकर वह सीधा बुजुर्ग के सुलेम सराय स्थित घर गया और वहां युवती की मां को जान से मारने की धमकी दी। उधर कंट्रोल रूम की सूचना पर पुलिस पहुंच गई थी। सोमवार को ऋषभ कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया गया। इंस्पेक्टर के मुताबिक आरोपी ऋषभ कुशवाहा परिवार के एक युवती से पहले से बात करता था। सोमवार को उनमें कोई विवाद हो गया। इसके बाद उसने अस्पताल में जाकर मारपीट की और मरीज का आक्सीजन मास्क निकाला। इंस्पेक्टर ने बताया कि ऋषभ के खिलाफ अन्य धाराओं के साथ साथ हत्या के प्रयास की भी धारा लगी है। उसे आज ही जेल भेज दिया गया।

श्रृंगवेरपुरधाम पहुंची रामायण गौरव यात्रा , लगे जय श्रीराम के जयकारे

अखंड भारत संदेश

श्रृंगवेरपुर। भारत के प्रमुख दर्शनीय स्थल को देखने के लिए श्रीरामायण एक्सप्रेस से भ्रमण को निकले पर्यटक सोमवार देर शाम श्रृंगवेरपुरधाम पहुंचे। श्रृंगवेरपुरधाम श्रीराम घाट पहुंचते ही जय श्रीराम के नारों से श्रृंगवेरपुरधाम गुंजायमान हो उठा। सोमवार शाम 4 बजे श्रृंगवेरपुरधाम पहुंचे रामायण गौरव यात्रियों का स्वागत भव्य तरीकों से किया गया। भारत गौरव रामायण यात्रा के 18 दिवसीय आयोजन का उद्देश्य प्रभु श्रीराम के पदचिन्हों का साक्षात्कार करना है। जिससे प्रभु श्रीराम के आदर्श को जन जन तक पहुंचाया जा सके। भारत गौरव रामायण यात्रा का श्रृंगवेरपुरधाम में स्वागत जय श्रीराम सेवा समिति के पदाधिकारियों के द्वारा किया गया। जय श्रीराम सेवा समिति के महामंत्री अरुण द्विवेदी और अध्यक्ष संजय तिवारी ने भारत गौरव रामायण यात्रियों को श्रृंगवेरपुर महोत्सव की प्रतिमा भेंट की। जिसमे प्रभु श्रीराम के आदर्शों को दिखलाया गया है। समिति के महामंत्री अरुण द्विवेदी ने स्मृति चिन्ह देते हुए अंगवस्त्र भी भेंट किये। श्रृंगवेरपुरधाम पहुंचते ही भारत गौरव रामायण यात्रा के यात्रियों ने श्रृंगवेरपुरधाम में गंगा पूजन और आरती उतारी। इसके पूर्व शांता श्रृंगी ऋषि मंदिर में विधि विधान से पूजन अर्चना की। श्रृंगवेरपुरधाम 555 यात्रियों की टोली पहुंचकर राम राम करने लगे। ईश्वर के प्रति लगाव को देखकर स्थानीय लोगो ने भी श्रीराम के जयकारे लगा दिए। यात्रियों का कहना है कि 18 दिवसीय यह यात्रा उत्तर से लेकर दक्षिण तक श्रीराम के कर्मभूमि तक जाएगी। जहाँ से श्रीराम ने अपने पतितत्व कर्तव्यों का भी पालन किया था। इसी के साथ रावण वध के पश्चात अयोध्या के दिव्य दृश्यों का भी साक्षात्कार किया जाएगा। इस दौरान सांसद मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने फूलमालाओं से सभी का स्वागत किया। बताया श्रीराम के भक्तो की सेवा हमारा धर्म है। वैभव मिश्र,अरुण द्विवेदी, संतोष शुक्ल, सियाराम सरोज गुड्डू राजा समेत अन्य लोग मौजूद रहे। श्रृंगवेरपुरधाम में प्रभु श्रीराम ने माता सीता के साथ रात्रि विश्राम किया था। इसलिए श्रृंगवेरपुरधाम के कण कण में बसते हैं श्रीराम। कण कण में बसे श्रीराम के होने की अनुभूति करते हुए रामायण यात्रियों ने गंगा की पूजन अर्चना की । इसके बाद यात्रा रात्रि में चित्रकूट धाम के लिए रवाना हुई। चित्रकूट के पश्चात दक्षिण भारत होते हुए यात्रा रामेश्वरम का सफर करेगी। रामायण यात्रियों ने श्रीराम की पुस्तिका भी भक्तो को भेंट की।

रामायण गौरव यात्रा का स्वागत करते

स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में हुई मृत्यु की हुई मजिस्ट्रीयल जांच

प्रयागराज। अपर नगर मजिस्टेट तृतीय ने बताया है कि सिद्धदोष महिला बन्दिनी कृष्णा पुत्री रसूलन उम्र लगभग 60 वर्ष निवासी मीरगंज, जनपद प्रयागराज, (महजनी टोला म0नं0-67 थाना कोतवाली, प्रयागराज)उ0प्र0 की दिनांक 31.01.2022 सायंकाल 18:50 बजे स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज में हुई मृत्यु सम्बंधी प्रकरण की मजिस्ट्रीयल जांच हेतु मुझे नामित किया गया है। मेरे द्वारा उक्त प्रकरण की जांच की जा रही है। उन्होंने समस्त जनसमुदाय/ सम्बंधित से उक्त प्रकरण के सम्बंध में यदि किसी को कोई लिखित एवं मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत करना हो अथवा बयान अंकित कराना हो, तो दिनांक 11.07.2022 को इस कार्यालय में उपस्थित आकर बयान अंकित कराना सुनिश्चित करें।

अशासकीय कॉलेजों को मिले 40 असिस्टेंट प्रोफेसर, टेक्निकल कॉलेजों को भी मिले 126 प्रवक्ता

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों को शिक्षाशास्त्र विषय में 40 नए असिस्टेंट प्रोफेसर मिल गए हैं। उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (यूपीएचईएससी) ने सोमवार को अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया। असिस्टेंट प्रोफेसर के 40 पदों में 18 पद आरक्षित, छह पद ईडब्ल्यूएस, दस पद ओबीसी एवं छह पद एससी श्रेणी के लिए आरक्षित हैं।चयनितों की टॉप टेन मेरिट में श्रीकृष्ण सिंह, स्नेलता पटेल, नरेंद्र कुशवाहा, दीपक कुमार, कंचन दुबे, मनीष मोदनवाल, राम उग्र, संतोष कुमार शुक्ला, रितु नारंग एवं सुधीर कुमार मिश्र के नाम शामिल हैं। आयोग ने असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षा शास्त्र के 40 पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार 23 से 27 जून तक आयोजित किया, जिसमें 157 अभ्यर्थी बुलाए गए और 145 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। आयोग की सचिव वंदना त्रिपाठी के अनुसार जिन चयनित अभ्यर्थियों के नाम के आगे औपबंधिक शब्द अंकित है, उन्हें वांछित अभिलेख 25 जुलाई तक आयोग कार्यालय में उपलब्ध कराने हैं, वरना उनके अभ्यर्थन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्राविधिक शिक्षा विभाग को मिले 126 प्रवक्ता

प्राविधिक शिक्षा विभाग को कंप्यूटर विषय में 126 नए प्रवक्ता मिल गए हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने सोमवार को प्रवक्ता कंप्यूटर के 132 पदों का अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया। छह पद (तीन अनुसूचित जाति एवं तीन अनुसूचित जनजाति) उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण खाली रह गए।आयोग ने प्रवक्ता कंप्यूटर विषय की लिखित परीक्षा का परिणाम 29 अप्रैल 2022 को जारी किया था। लिखित परीक्षा में सफल घोषित किए गए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 17 से 23 जून तक आयोजित किया गया। परीक्षा परिणाम की टॉप टेन मेरिट में राम गोपाल, अभिषेक सिंह, अंजलि सैनी, मोहम्मद रिजवान, प्रत्यूष पचौरी, आनंद कुमार मिश्र, रवि अस्थाना, पूजा गोयल, मनीष कुमार वर्मा एवं प्रतिष्ठा जायसवाल के नाम शामिल हैंआयोग के परीक्षा नियंत्रक अरविंद कुमार मिश्र के अनुसार सफल घोषित जिन अभ्यर्थियों के नाम के आगे प्रोविजनल शब्द अंकित है, उन्हें निर्धारित समय में वांछित अभिलेख आयोग में प्रस्तुत करने हैं, वरना उनका चयन निरस्त कर दिया जाएगा। चयन परिणाम उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उच्च न्यायालय में दाखिल विशेष अपील पर होने वाले निर्णय के अधीन रहेगा। परिणाम से संबंधित प्राप्तांक एवं कटऑफ की सूचनाएं जल्द ही आयोग की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएंगी।

प्रधान पति पर जानलेवा हमला पर गिरफ्तारी न होने पर प्रधान संघ सीडीओ से मिला

अखंड भारत संदेश

सोरांव। ग्राम सभा की ऊसर भूमि को कब्जा करने से मना करने पर बीते गुरुवार को ग्राम प्रधान पति के ऊपर दबंगों ने प्राण घातक हमला कर दिए थे। मामले में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर बादलपुर निवासी सुमित यादव उर्फ खुशदिल यादव, राजेंद्र कुमार पटेल,त्रिभुवन कुमार पटेल,सतीश कुमार पटेल,महेंद्र कुमार पटेल व विशाल कुमार के खिलाफ लिखित तहरीर देकर लूट, व प्राणधातक हमला जैसे गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था। लेकिन अब तक अपराधियों की गिरफ्तारी न होने पर पीड़ित पक्ष की तरफ से प्रधान संघ सोरांव अध्यक्ष लल्लन सरोज की अगुवाई में लगभग सैकड़ों लोगों ने सोमवार मुख्य विकास अधिकारी को शिकायती पत्र देकर गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पीड़ित प्रधान पति राम गणेश मौर्य का आरोप है कि लगातार हमको

चार दिन बाद भी अपराधी पुलिस के पहुंच से दूर, खाक छान रही है सोरांव की पुलिस

अपराधियों की तरफ से जान से मारने की धमकी दी जा रही है। यदि अपराधियों को गिरफ्तार नही किया जायेगा तो कभी भी मेरी हत्या हो सकती है। इतना ही नहीं सोमवार को सोमवार को ब्लॉक में संचारी रोग नियंत्रण की एक जनसभा का आयोजन होना था लेकिन प्रधान संघ वह सचिव ने होने वाली जनसभा को स्थानीय दिया जब तक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होगी कब तक प्रधान संघ कोई भी जनसभा करने को तैयार नहीं होंगे इतना ही नहीं आगामी 29 से 31 मई तक ब्लॉक तहसील व थाने पर धरना देने की भी तैयारी है। यदि धरना देने के बाद भी प्रशासन नहीं जागता है। अपराधियों की गिरफ्तारी तक जनपद में धरना देने को बाध्य होंगे।

कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने शतरंज ओलम्पियाड टार्च रिले टीम का किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क गेट नं0-2(इलाहाबाद संग्राहलय) में चेस ओलम्पियाड के प्रथम टार्च रिले समारोह में कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने चेस फाउंडेशन के अध्यक्ष संजय कपूर का स्वागत किया। स्वागत समारोह के बाद नेहरू युवा कल्याण के बच्चो द्वारा देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। देश भक्ति गीत के उपरांत चेस ओलम्पियार्ड के अध्यक्ष श्री संजय कपूर ने अपने सम्बोधन में कहा कि हिन्दुस्तान में चेस ओलम्पियार्ड का होना गौरव की बात है। इस बार 147 देश प्रतिभाग करने जा रहे है। भारत के प्रत्येक नागरिकों के लिए यह गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह टार्च रिले उत्तर प्रदेश के 09 जिले से होकर जायेगी तथा हिन्दुस्तान पूरे विश्व को संदेश देगा। यह रिले टार्च भारत के 75 शहरों से होते हुए 27 जुलाई को चेन्नई पहुंचेगी, जहां 28 जुलाई से 10 अगस्त, 2022 तक शतरंज ओलंपियाड का आयोजन होगा। नयी पीढ़ी के बच्चों को चेस खेलने के प्रति प्रोत्साहित करेंगा। तदुपरांत मा0 प्रधानमंत्री जी का सम्बोधन का वीडियों दिखाया गया। मा0 केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी अपने सम्बोधन में बच्चों को खेलने के प्रति प्रोत्साहित किया। मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन हुआ है। मेरे छोटे भाई संजय कपूर जी प्रदेश सरकार के अपर महाधिवक्ता महेश चतुर्वेदी जी, महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी, मण्डलायुक्त संजय गोयल, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि जी सभी इस आयोजन के लिए बधाई के पात्र है। उन्होंने कहां कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत वर्ष गौरव प्राप्त कर रहा है और पूरे विश्व में भारत के पासपोर्ट का महत्व बढ़ा है। गंगा, यमुना, सरस्वती जहां कुम्भ में ऐसे पावन धरती पर लगभग 24 से 25 करोड़ लोग आते है और दर्शन करके चले जाते है। उत्तर प्रदेश के बच्चों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने का काम हमारे मुख्यमंत्री जी द्वारा निरंतर किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा इलाहाबाद का प्रसिद्ध ढेढ़िया एवं विविध लोकनृत्य का प्रदर्शन करते हुए विश्व शतरंज ओलम्पियाड के टार्च रिले का स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रयागराज के लोकनृत्य कलाकारों ने दर्शकों का मन मोह लिया। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष डा0 संजय कपूर ने ढेढिया नृत्य समूह की लीडर सुश्री सुप्रिया सिह रावत को रुपए 1000/- के पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्य अतिथि माननीय मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता जी द्वारा ढेढिया नृत्य समूह एवं सोनाली चक्रवर्ती के नृत्य समूह संग फोटा खिचवाकर लोक कलाकारों को प्रोत्साहित किया। इण्डिया चेस फेडरेशन के अध्यक्ष संजय कपूर जी, सचिव भरत सिंह चैहान जी, ग्रैण्ड मास्टर तेजस वाकेर, महिला ग्रांड मास्टर वन्तिका अग्रवाल तथा कोआर्डिनेटर सागर वैश्य जी, कार्यक्रम के नोडल क्रीड़ा अधिकारी श्री संदीप गुप्ता जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रंजना त्रिपाठी द्वारा किया गया।

नयी पीढ़ी के बच्चों को चेस खेलने के प्रति करें प्रोत्साहित

जावेद पंप के मकान के ध्वस्तीकरण के मामले से खंडपीठ ने अपने को किया अलग

प्रयागराज। प्रयागराज के अटाला में 10 जून को जुमे की नमाज के बाद हुए बवाल के मुख्य आरोपी जावेद मोहम्मद पंप का मकान ढहाने के मामले में सोमवार को खंडपीठ ने अपने आप को अलग करते हुए सुनवाई के लिए मंगलवार की तिथि लगाई है। मकान ध्वस्तीकरण का मामला न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की खंडपीठ कर रही थी। सुनवाई के दौरान प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने अपना पक्ष रखने के लिए एक वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने अपना वकालत नामा फाइल किया है। इसके साथ ही मामले की सुनवाई से अपने आप को अलग करते हुए दूसरी पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए नामित करने के लिए भेज दिया। याचिका जावेद की पत्नी परवीन फातिमा ने दाखिल की है। याचिका में परवीन ने अवैध तरीके से उसका मकान तोड़ने की शिकायत की है। साथ ही दोबारा मकान बनने तक रहने के लिए सरकारी आवास मुहैया कराने की मांग की है। परवीन फातिमा ने खा है कि जिस मकान को बुल्डोजर से ध्वस्त कर दिया गया, वह उसके नाम पर है, न कि उसके शौहर के नाम पर। यह मकान याची को उसके पिता से उपहार में मिला था।नगर निगम व राजस्व दस्तावेजों में याची का ही नाम दर्ज है। जबकि जुमे की नमाज के बाद वाली घटना के बाद उसे और उसकी बेटी को पुलिस महिला थाने उठा ले गई। पुलिस गई और नोटिस चस्पा कर चली आई। उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को इसकी जानकारी भी नहीं हुई। 12 जून को मकान ध्वस्त कर दिया गया। इन सब घटनाओं की सही और प्रापर तरीके से उन्हें और उनके परिवार को जानकारी तक नहीं हो सकी। नोटिस भी उसके पति के नाम दिया गया और याची को अपील दाखिल करने या पक्ष रखने का कोई मौका दिए बगैर मकान ध्वस्त कर दिया गया।याचिका में कहा गया है कि 10 जून की पत्थरबाजी व तोड़फोड़ की घटना के बाद उसी रात पुलिस ने उसके शौहर जावेद मोहम्मद पंप को थाने बुलाया और अवैध रूप से गिरफ्तार कर लिया। यही नहीं, देर रात महिला थाने की पुलिस याची व उसकी बेटी को भी थाने ले गई। तीन दिन तक दोनों को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया। याचिका में कहा गया है कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने से पूर्व न तो याची को कोई नोटिस दिया गया और न कोई जानकारी।रविवार के दिन बड़ी संख्या में पुलिस और पीडीए के अधिकारी व कर्मचारी उसके घर पर दो बुलडोजर लेकर पहुंचे और पूरा मकान ढहा दिया। याची को अपील दाखिल करने के लिए जरूरी 30 दिन की मोहलत भी नहीं दी गई। कहा गया है कि पुलिस की कार्रवाई अवैधानिक और नैसर्गिक न्याय के विपरीत है तथा अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट के प्रावधानों का पालन नहीं किया गया। याचिका में कहा गया है कि याची के पास अब रहने के लिए कोई घर नहीं है।वह परिवार के साथ रिश्तेदारों के यहां रहने को मजबूर है। याचिका में न्यायालय से ग्रीष्मावकाश के दौरान ही इस मामले में सुनवाई का अनुरोध किया गया है। हालांकि, परवीन फातिमा की ओर से दाखिल याचिका में मकान का कोई नक्शा दाखिल नहीं किया गया है। जिसकी स्वीकृति तत्कालीन इलाहाबाद विकास प्राधिकरण (अब प्रयागराज विकास प्राधिकरण) की ओर से होनी चाहिए। फिलहाल कोर्ट ने मामले कि सुनवाई के लिए मंगलवार की तारीख तय की है।

बिजली विभाग की तरफ से निकाली गई रैली

मेजा रोड। मेजा में बिजली विभाग की टीम ने ओटीएस रैली निकाली। इस दौरान एकमुश्त समाधान योजना के के बारे में बकाएदारों के जागरूक किया। इसके साथ ही बिजली चोरों को भी चेताया और कार्रवाई की चेतावनी दी। बता दें कि 30 जून को योजना का अंतिम दिन है।मेजा डिवीजन के अधिशाषी अभियंता राजेश तिवारी के कुशल निर्देशन में मांडा के जेई सियाराम यादव के नेतृत्व में सोमवार की दोपहर एकमुश्त समाधान योजना के तहत रैली निकाली गई। यह रैली नगर पंचायत भारतगंज से शुरू होकर मांडा रोड़, मांडा खास सहित पुनः भारतगंज में खत्म की गई है।

100 परसेंट ब्याज होगा माफ : रैली के दौरान उपभोक्ताओं को बताता गया कि योजना के तहत ब्याज दर में दी जा रही शत प्रतिशत छूट का लाभ उठाते हुते अबिलम्ब ही बिल का भुगतान करें। योजना समाप्ति के बाद अभियान चलाया जाएगा, जिसमे बकायेदारों पर नकेल कसी जाएगी। जेई ने उपभोक्ताओं से कहा है कि बिजली चोरी करने वालो के खिलाफ अभियान चलाकर कठोर कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन कराने हैं। वह स्थानीय उपकेंद्र पहुच कर कनेक्शन करा लें।

वरिष्ठ पत्रकार मुरलीधर मिश्र के निधन पर शोक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। वरिष्ठ पत्रकार मुरलीधर मिश्र का स्वरूपरानी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान निधन हो गया। इस बात की जानकारी उनके बड़े पुत्र कमलेश मिश्र ने दी।उनके निधन की जानकारी देते हुए कमलेश मिश्र ने बताया कि पिता जी विगत कई दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज पीजीआई लखनऊ से हो रहा था। अचानक तबीयत बिगड़ जाने के कारण उन्हे स्वरूपरानी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था।शनिवार की रात से हालत गम्भीर होने के बाद उन्हे वेंटिलेटर पर रखा गया था। कल दोपहर में उनका निधन हो गया। रसूलाबाद घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया और मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र कमलेश मिश्र ने दी पंडित मुरलीधर मिश्र को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की आपात बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र की अध्यक्षता में सिविल लाइन कार्यालय में हुई जिसमें दिवंगत पत्रकार को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई शोक व्यक्त करने वालों में राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय राष्ट्रीय महासचिव कार्यालय श्याम सुंदर सिंह पटेल राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पवनेश कुमार पवन कार्यकारिणी सदस्य कुलदीप कुमार शुक्ल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शिव शंकर पांडेय उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष प्रभा शंकर ओझा प्रयागराज जिला इकाई के अध्यक्ष रमाकांत त्रिपाठी जिला मुख्य महासचिव मुनेश कुमार मिश्र तहसील अध्यक्ष करछना राजेंद्र पांडेय महानगर अध्यक्ष शिवपूजन सिंह जिला कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, शिवम मिश्र साहित्य प्रकोष्ठ के योगेंद्र कुमार मिश्र विश्वबंधु डॉ राम लखन चौरसिया अभिषेक केशरवानी राकेश मालवीय मुस्कान डॉ इंदु जौनपुरी जय प्रकाश श्रीवास्तव आदि मुख्य रहेगौरतलब हो कि स्व मुरलीधर मिश्र ने कई दैनिक अखबार व पत्र पत्रिकाओं में कार्य करते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। 3 फरवरी 1952 को जन्मे 71 वर्षीय स्व मिश्र अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गये है। जिसमे उनके दो बड़े पुत्र कमलेश मिश्र व विमलेश मिश्र पेशे से पत्रकार है। सबसे छोटे पुत्र लवलेश मिश्र इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालत करते है। पत्रकार जगत में उनके निधन से चतुर्दिक शोक व्याप्त है।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने अर्पित की विनम्र श्रद्धांजलि

जय श्रीराम बोलने वाले पर जानलेवा हमले के आरोपित को सशर्त मिली जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जय श्री राम का उद्घोष करते हुए घर जा रहे लोगों पर जानलेवा हमले के आरोपी की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। कोर्ट ने आरोपी को 50 हजार के व्यक्तिगत मुचलके व दो प्रतिभूति पर रिहा करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी ने सिंभावली हापुड़ के निवासी इरफान की अर्जी पर दिया है।मामले में यासीन के घर के सामने सड़क से जय श्री राम का उद्घोष करते हुए घर जा रहे लोगों का विरोध किया गया। इसको लेकर दोनों पक्षों में झड़प हुई। दोनों तरफ से लोग घायल हुए। घटना की सिंभौली थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई। याची का कहना था कि उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है उसे फंसाया गया है। वह घटनास्थल पर नहीं था। अभियुक्तों को जमानत पर रिहा किया गया है। इस आधार पर उसे रिहा किया जाए।

शिक्षा अलंकार डिग्री धारक शिक्षक की बर्खास्तगी पर दिए गए स्थगन आदेश को चुनौती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक शिकायतकर्ता द्वारा योजित विशेष अपील की पोषणीयता पर प्रश्न किया गया है । प्रतिवादी द्वारा दाखिल आपत्ति पर जवाब देने के लिए शिकायतकर्ता को 6 जुलाई तक का समय दिया गया है । विशेष अपील में एकल न्यायमूर्ति द्वारा अलीगढ़ के शिक्षा अलंकार डिग्री धारक शिक्षक की बर्खास्तगी पर दिए गए स्थगन आदेश को चुनौती दी गई है।गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने वर्ष 2011 में मिजार्पुर के शिक्षक विनोद कुमार उपाध्याय की याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए माध्यमिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को राज्य के माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय पत्राचार संस्थान कानपुर की शिक्षा अलंकार डिग्री के आधार पर नियुक्त शिक्षकों की सेवा समाप्त करने का निर्देश दिया था। कोर्ट के आदेश का अनुपालन ना होने पर वर्ष 2012 में राम मणि पांडे द्वारा अवमानना याचिका दायर की गई थी । अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान तत्कालीन सचिव जितेंद्र कुमार ने कोर्ट को हलफनामा देखकर आश्वस्त किया था कि 2011 के आदेश का अनुपालन कर दिया गया है । इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा 2012 में शासनादेश भी जारी किया गया था ।अधिकारियों ने अलीगढ़ के शिक्षक की सेवाएं समाप्त करने के स्थान पर 2013 में सेवाओं का विनियमितीकरण कर दिया। 2021 में अलीगढ़ के अरुण कुमार द्वारा हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल करने पर अधिकारियों ने शिक्षक की सेवाएं समाप्त कर दी। जिसके खिलाफ शिक्षक द्वारा याचिका योजित की गई। न्यायालय ने अंतरिम स्तर पर शिक्षक को राहत देते हुए बर्खास्तगी के खिलाफ स्थगन आदेश दे दिया।

चौकी इंचार्ज समेत तीन पुलिस कर्मी हुए लाइन हाजिर

प्रयागराज। अधिवक्ता के घर की महिलाओं को अवैध रूप से कई घंटे तक थाने में बैठाना बहरिया पुलिस को महंगा पड़ गया। मामला हाई कोर्ट पहुंचा तो एसएसपी ने चौकी इंचार्ज समेत तीन पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर करते हुए उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। बहरिया थाना क्षेत्र के चिंतामणि पुर निवासी संदीप शर्मा अधिवक्ता हैं। दो जून को किसी से भूमि को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी मामले में पुलिस ने संदीप के घर की महिलाओं को थाने बुलाया और लगभग कई घंटे तक अवैध रूप से थाने में बैठने को मजबूर किया। इसकी शिकायत एसएसपी से उसी दिन की गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।बाद में संदीप शर्मा ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर बहरिया पुलिस पर कार्रवाई की मांग की। न्यायालय ने आरोपों को गंभीरता से देखते हुए एसएसपी को निर्देश दिया था कि एक सप्ताह के अंदर जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। एसएसपी अजय कुमार ने मामले की जांच एसपी यमुनापार से कराई।दोषी पाए जाने पर चौकी इंचार्ज सिकंदरा हीरालाल, चौकी में तैनात एसआई आकाश यादव एवं महिला आरक्षी प्रवेश कुमारी को लाइन हाजिर कर दिया। तीनों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

पीएम को युवाओं की चिन्ता नहीं: प्रमोद तिवारी

अग्नि पथ भर्ती योजना को लेकर सत्याग्रह में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य

लालगंज चौक पर सत्याग्रह में शामिल सांसद प्रमोद तिवारी।

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अग्नि पथ भर्ती योजना के विरोध को लेकर सोमवार को क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के निर्देश पर कांग्रेसियों ने शांतिपूर्ण ढंग से सत्याग्रह के जरिए आवाज उठायी। नगर के इन्दिरा गांधी चैक पर सत्याग्रह के जरिए अग्नि पथ भर्ती योजना के प्रस्ताव को वापस लिये जाने की मांग उठाई गई।

सत्याग्रह कार्यक्रम में पहुंचे पार्टी के राज्यसभा सदस्य व सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सत्याग्रह की शुरूआत करायी। कार्यकताओं के साथ लोगों को संबोधित करते हुए प्रमोद तिवारी ने कहा कि अग्नि पथ भर्ती योजना को लेकर अपने भविष्य के साथ होने वाले खिलवाड से चिन्तित देश का नौजवान लडाई लड़ रहा है। उन्होंने युवाओं से कहा कि जिस तरह से लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण ढंग से किसानों ने तीन काले कृषि कानून की लड़ाई लड़कर जीत हासिल की उसी तरह युवाओं को भी संयम और धैर्य के साथ अपनी आवाज बुलन्द करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष केडी मिश्र व संयोजन चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी तथा प्रमुख अमित प्रताप सिंह पंकज ने किया। संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। चैक पर इकटठा हुए कार्यकताओं व समर्थकों का क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से उनके पुत्र राघव मिश्र ने आभार जताया। सत्याग्रह के दौरान कांग्रेसियों को पार्टी नेताओं व युवाओं के हक में जमकर नारेबाजी भी करते देखा गया। इस मौके पर पूर्व प्रमुख ददन सिंह, जिपंस रघुनाथ सरोज, रिंकू सिंह परिहार, भुवनेश्वर शुक्ल, छोटे लाल सरोज, पप्पू तिवारी, सुधाकर पाण्डेय, सतेश सिंह, संजय सिंह, दिनेश सिंह, धीरेन्द्रमणि शुक्ल आदि मौजूद रहे।

अग्निपथ योजना भारतीय सेना को बर्बाद कर देगी: डा0 लालजी

अखंड भारत संदेश

इंदिरा भवन पर नारेबाजी करते कांग्रेसीगण।

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के आवाहन पर प्रतापगढ़ सदर विधानसभा क्षेत्र में जिला कांग्रेस कार्यालय इन्दिरा भवन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी व पूर्व प्रत्याशी सदर विधानसभा डॉ.नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेसियों द्वारा सरकार के विरोध में नारेबाजी करते हुए अग्निपथ योजना के विरोध में सत्याग्रह किया गया। जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने कहा कि चार साल की अग्निपथ योजना भारतीय सेना को बर्बाद कर देगी, इसे बिलकुल भी नहीं लागू नहीं होने देना चाहिए था। पूर्व प्रत्याशी कांग्रेस डॉ0 नीरज त्रिपाठी ने कहा कि प्रतिदिन सुबह उठकर मेहनत करने वाले युवाओं के साथ धोखा है। कई युवा फांसी लगाकर अपनी जान दे चुके हैं। इस मौके पर नगर अध्यक्ष इरफान अली, जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी, पूर्व अध्यक्ष नरसिंह प्रकाश मिश्रा,पूर्व अध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्रा,कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शुक्ला, पी.सी.सी सदस्य डॉ0 प्रशान्त देव शुक्ला, रोहित शुक्ला, कपिल द्विवेदी, विजय शंकर त्रिपाठी, इम्तियाज अहमद, किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष करुण पांडेय,महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष सरोज धुरिया, जमुना पांडेय, इंद्रानन्द तिवारी आदि मौजूद रहे।

युवती के साथ दुष्कर्म, आरोपी धराया

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में युवती के साथ दुष्कर्म को लेकर पुलिस ने केस दर्ज किया है। शादी का झांसा देकर पीडिता के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लेकर सोमवार को जेल भेज दिया। कोतवाली के एक गांव की पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती सत्रह जून को खपराही गांव के आरोपी रोशन गौतम ने शादी का झांसा देकर उसे गांव के मरूस्थल के पास बुलवाया। वहां आरोपी ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी ने कहीं शिकायत करने पर जानलेवा धमकी भी दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रविवार की रात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। रानीगंज कैथौला चैकी इंचार्ज निकेत भारद्वाज ने सोमवार की सुबह आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा गया है, पीड़िता को महिला पुलिस की अभिरक्षा में मेडिकल परीक्षण के लिए भेजवाया गया है।

दुर्घटना में तीन युवक घायल, एक रेफर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली के जलेशरगंज तिराहे पर बाइक की टक्कर में तीन युवक घायल हो गये। मालाधर छत्ता निवासी संजय कुमार सरोज 26 पुत्र सूर्यपाल सोमवार को बाइक से सलोन के लिए निकले थे। जलेशरगंज तिराहे पर बाइक से पीछे से आ रहे गांव के ही हरिश्चंद्र के पुत्र प्रमोद 27 की बाइक टकरा गयी। दुर्घटना में संजय व प्रमोद के साथ एक बाइक पर पीछे बैठे सुनील कुमार 26 भी जख्मी हो गये। आननफानन मे घायलों को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लालगंज लाया गया। प्रारम्भिक उपचार के बाद गंभीर रूप से जख्मी संजय को प्रतापगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आज

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चैरसिया ने बताया है कि अनुसूचित जाति/जनजाति के व्यक्तियों में औद्योगिक रोजगार सृजन के उद्देश्य से व्यवहारिक सामूहिक प्रशिक्षण योजना वर्ष 2022-23 हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम पुरूष अभ्यर्थियों हेतु इलेक्ट्रीशियन टेन्ड एवं महिला अभ्यर्थियों हेतु टेलरिंग टेन्ड का साक्षात्कार 28 जून को पूर्वान्ह 11 बजे उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र प्रतापगढ़ कार्यालय में होगा। आवेदित समस्त अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित हो।

गैस वाहन चालक को चकमा देकर बदमाशों ने 29 हजार रुपये लेकर हुए फरार

पुलिस मामले की जांच में जुटी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। गैस सिलेंडर की डिलीवरी करके घर वापस लौट रहे एक गैस वाहन चालक को चकमा देकर के तीन बदमाशों ने उसकी वाहन से 29 हजार रुपयों से भरा हुआ बैग लेकर चंपत हो गए। वाहन चालक ने तुरंत डायल 112 पुलिस को फोन करके मामले की जानकारी दिया। उसके बाद पट्टी कोतवाल मौके पर पहुंचे। हालांकि पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के पट्टी नगर से सटे हुए सघईपुर गांव का रहने वाले श्रीप्रकाश मौर्य पुत्र कृष्ण चंद्र मौर्य पट्टी नगर के समीप पूरे बाबू में स्थित इंडेन गैस एजेंसी की गाड़ी चलाता है। रोज की तरह सोमवार की दोपहर 12रू00 बजे वह गैस सिलेंडर की सप्लाई करके एजेंसी की तरफ वापस लौट रहा था। करेला बाजार के समीप पहुंचने पर एक बाइक से तीन बदमाश उसी गाड़ी के आगे पहुंचे और गाड़ी रोक कर कहा कि गाड़ी से धुआं निकल रहा है। यह सुनकर ड्राइवर श्रीप्रकाश ने अपने साथ बैठे साथी के साथ वाहन से नीचे उतरा और पीछे की तरफ गया तभी बाइक पर उतरे एक बदमाश ने वाहन में रखा हुआ 29 हजार रुपयों से भरा बैग लेकर वहां से भाग निकला। ड्राइवर ने शोर मचाया लेकिन तब तक तीनों वहां से फरार हो चुके थे। ड्राइवर ने तुरंत डायल 112 पुलिस को मामले की सूचना दिया तो डायल 112 के साथ मौके पर सीओ पट्टी दिलीप कुमार और पट्टी कोतवाल नंदलाल सिंह मौके पर पहुंचे। वाहन चालक श्रीप्रकाश मौर्या ने बताया कि वह 26 गैस सिलेंडर को भेज चुका था। उसकी बैग में कुल 29 हजार रुपये रखे हुए थे। इस मामले में पट्टी कोतवाल नंदलाल सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया कि मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। पीड़ित ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है।

अतिक्रमण को लेकर एसडीएम से की शिकायत

लालगंज, प्रतापगढ़। सड़क के किनारे निर्माण के जरिए अतिक्रमण किये जाने को लेकर सोमवार को एसडीएम से शिकायत दर्ज करायी गयी। उमरपुर भटनी निवासी करूणेश प्रताप सिंह ने दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि करपात्री चैक उमरपुर से लगे सड़क से सटकर आरोपियों द्वारा निर्माण के जरिए अतिक्रमण किया जा रहा है। एसडीएम ने अधिशाषी अभियन्ता लोकनिर्माण तथा लालगंज कोतवाली पुलिस को शिकायत की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। जनपद के थाना मान्धाता के उ0नि0 श्री अनुज यादव मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय में पंजीकृत अभियोग मु0अ0सं0 152/2022 धारा 363, 366, 376 भादवि 3/4 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त समीर आलम पुत्र गुड्डू मियां निवासी ग्राम किशुनबाग थाना नगर बेतिया जनपद बेतिया पश्चिमी चम्पारण बिहार को थाना क्षेत्र के मान्धाता मोड़ विश्वानाथगंज के पास से गिरफ्तार किया गया। उधर जनपद के थाना रानीगंज के उ0नि0 अवनीश सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान मु0नं0 150/20 धारा 128 द0प्र0सं0 से सम्बन्धित एक वारण्टी अभियुक्त दिलशाद अहमद पुत्र कुतुब अली निवासी सरायशेर खां थाना रानीगंज जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

प्रोन्नति पर स्थानांतरित एसडीएम को अधिवक्ताओं ने दी समारोहपूर्वक विदाई

विदाई गीत से माहौल हुआ भावुक

अखंड भारत संदेश

तहसील सभागार में स्थानांतरित एसडीएम को सम्मानित करते अधिवक्ता

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील में तैनात एसडीएम अरूण सिंह को सीआरओ पद पर प्रोन्नत मिलने के बाद सोमवार को अधिवक्ताओं व कर्मचारियों ने उन्हें समारोहपूर्वक विदाई दी। संयुक्त अधिवक्ता संघ के तत्वाधान में सभागार में विदाई के तहत एसडीएम अरूण सिंह को संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व महामंत्री शेषनाथ तिवारी तथा उपाध्यक्ष बीके तिवारी ने स्मृति चिन्ह के साथ माल्यार्पण के जरिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में लेखपाल संघ के अध्यक्ष रामचन्द्र त्रिपाठी के विदाई गीत से माहौल भावुक हुआ दिखा।

बतौर मुख्य अतिथि अरूण सिंह ने कहा कि लोक सेवा में जनता की समस्याओं का समुचित निस्तारण कराना ही मिशन है। उन्होंने यहां अपने कार्यकाल में अधिवक्ताओं तथा अधिकारियों व कर्मचारियों के मिले सहयोग के प्रति आभार जताया। तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने भी अपने संबोधन में अरूण सिंह के सीआरओ पद पर प्रोन्नत को लेकर खुशी जताई। अधिवक्ताओं व कर्मचारियों ने अरूण सिंह के मृदल व्यवहार तथा कार्य संस्कृति की जमकर सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व संचालन पूर्व अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल एवं पूर्व अध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र ने संयुक्त रूप से किया। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष राममोहन सिंह, पूर्व अध्यक्ष राव वीरेन्द्र सिंह, लाल राजेन्द्र प्रताप सिंह, विकास मिश्र, सुरेन्द्र सिंह, प्रमोद सिंह, लालता प्रसाद पाण्डेय, सुशील शुक्ल, गया प्रसाद मिश्र, दीपेन्द्र तिवारी, विनोद मिश्र आदि ने अरूण सिंह के कार्यकाल को प्रशासनिक सेवा के लिए उदाहरण बताया। इस मौके पर दिनेश सिंह, बृजेन्द्र पाण्डेय मंटू, केबी सिंह, कालिका प्रसाद पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, संदीप सिंह, शैलेन्द्र शुक्ल, आशीष तिवारी, नामवर सिंह, मो. ईशा, प्रभात श्रीवास्तव, कुलदीप तिवारी, वसीमुददीन, पारसनाथ सरोज, लाल विनोद प्रताप सिंह, सुरेन्द्र रजक, रवीन्द्र नाथ तिवारी, इरफान, शैलेन्द्र सिंह बघेल, घनश्याम मिश्र आदि रहे।

बैनामा करने के साथ ही अब दाखिल खारिज के लिए करना होगा ऑनलाइन आवेदन

फजीर्वाडे.को कम करने के लिये प्रशासन ने बनाई रणनीति

अखंड भारत संदेश

पट्टी तहसील कार्यालय का बोर्ड

पट्टी, प्रतापगढ़। जमीन के क्रय विक्रय के साथ हो रहे फजीर्वाड़े को कम करने के लिए प्रशासन ने रणनीति बना लिया है। अब क्रेता को बैनामा कराने के साथ ही दाखिल खारिज के लिए ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य कर दिया है। एक ही जमीन पर दो-दो बार बैनामा करने वालों पर इससे शिकंजा कसा जा सकता है। फर्जी तरीके से बैनामा रोकने के लिए प्रशासन नया कदम उठाया है।

पट्टी तहसील में लगभग 300 गांव है। आए दिन पट्टी तहसील में एक ही जमीन पर दो बार बैनामा करने या फिर से किसी अन्य केके नाम बैनामा करने या फिर बैनामे के बाद उस पर ऋण लेने की मामले सामने आते रहे हैं। जिसको खत्म करने के लिए शासन ने निर्णय किया है कि बैनामा करने के साथ पंजीयन के समय दाखिल खारिज का ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसका मुख्य कारण है कि दाखिल खारिज के कई मामले विचाराधीन चले आ रहे हैं उनका निस्तारण नहीं हो पा रहा। बैनामा कराने वाले भी चक्कर काट रहे हैं कभी कभी तो जमीन बेचने वाले दोबारा उसे बैनामा कर देते हैं दाखिल खारिज न होने पर जमीन विक्रेता के नाम ही रहती है तो वह बैंक से लोन ले लेते हैं या जमीन को दोबारा विक्रय कर देते हैं कि नया विवाद खड़ा हो जाता है। इससे जमीन खरीदने वालों का दाखिल खारिज भी रुक जाता है इससे निजात दिलाने के लिए ऑनलाइन आवेदन होने पर 45 दिन के अंदर दाखिल खारिज कराना होगा।

क्या कहते हैं अधिकारी? .....

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। इस संबंध में पट्टी तहसील में तैनात सब रजिस्टार कमलेश चंद्र वर्मा ने बताया कि बैनामा कराने के साथ दाखिल खारिज प्रार्थना पत्र ऑनलाइन आवेदन पर ही दस्तावेजों का पंजीयन हो सकेगा। उन्होंने कहा कि फजीर्वाड़ा रोकने तथा जमीन के विक्रय के बाद लोगों को सहूलियत देने के लिए शासन की तरफ से यह कदम उठाया जा रहा है।

हत्या आरोपित एसडीएम को क्लीन चिट देने की तैयारी या गिरफ्त से दूर

अज्ञात को ज्ञात नही कर सकी लालगंज पुलिस, नायब नाजिर की हत्या के बीत गए सत्तासी दिन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नायब नाजिर की हत्या मे फरार चल रहे एसडीएम को क्लीन चिट देने की तैयारी है या भिर वाकई वह पुलिस की गिरफ्त से दूर चला गया है।हत्या के सत्तासी दिन बीत गए लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी तो दूर की बात है यहां तो पुलिस अभी अज्ञात को भी ज्ञात नहीं कर सकी है। पुलिस की इस तरह की जॉच को क्या कहा जा सकता है।

स्थानीय तहसील में तैनात नायब नाजिर सुनील कुमार शर्मा (55) ने 31 मार्च को पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि एसडीएम ज्ञानेन्द्र विक्रम सिहं ने 30 मार्च की रात उसके आवास पर जा कर उसे लाठी-डंडो से मारा पीटा था। पुलिस ने तहरीर पर कोई कार्रवाई नही की। मामले की जानकारी होने पर संगठन के पदाधिकारियों ने एडीएम को मामले से अवगत कराया तो पीडित का चिकित्सीय परीक्षण हुआ। एक अप्रैल को पिटाई से गंभीर रूप से घायल सुनील की हालत बिगड़ने पर तहसील प्रशासन ने स्थानीय ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया जहां हालत में कोई सुधार न होते देख संगठन के लोगों ने दो अप्रैल को जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कराया, जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बेटे की तहरीर पर पुलिस ने तत्कालीन एसडीएम व तीन अज्ञात पर हत्या समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं 87 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस फरार एसडीएम को गिरफ्तार नहीं कर सकी। यहां तक कि दर्ज तीन अज्ञात को भी ढूँढ़ने में अभी तक पुलिस के हाथ कोई सफलता नहीं लग सकी है। पुलिस की इस तरह की कार्रवाई को आखिर क्या कहा जा सकता है? पुलिस आरोपित एसडीएम को क्लीन चिट देने की तैयारी कर रही है या फिर वाकई वह पुलिस की गिरफ्त से दूर चला गया है। इस संबंध में प्रभारी कोतवाल ने कुछ भी बताना मुनासिब नहीं समझा।

अभी भी बंद है सीयूजी नंबर नही हुई कार्रवाई

लालगंज, प्रतापगढ़। सत्तासी दिन बीत गए, सीयूजी नम्बर अभी भी स्विचऑफ बता रहा है। इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। हत्या के मामले में वांछित एसडीएम सीयूजी नम्बर भी साथ लेकर फरार हो गया है। सरकारी नम्बर बंद होने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कृषक भाई पी0एम0 कुसुम योजना के तहत सोलर पम्प लगवाएं: उप कृषि निदेशक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक डा0 रघुराज सिंह ने बताया है कि किसानों को खेती करने के लिये पानी और बिजली की उपलब्धता के लिये पी0एम0 कुसुम योजना की शुरूआत की गयी है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को सिंचाई के लिये सोलर पम्पर उपलब्ध करवाना है जिससे बिजली और किसानों के श्रम दोनो की बचत हो सके। इस वित्तीय वर्ष में जनपद में 129 किसानों को सोलर पम्प देने का लक्ष्य कृषि विभाग को मिला है। इसके लिये किसानों को 03 जुलाई 2022 से लक्ष्य पूर्ण होने तक आनलाइन बुकिंग करानी होगी। इसमें वही किसान बुकिंग करा सकेगें जिनके पास सिंचाई के लिये बिजली का कनेक्शन नहीं होगा। उन्होंने बताया है कि जनपद को 02 एचपी डीसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 10, 02 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 10, 03 एचपी डीसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 40, 03 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 40, 5 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 25, 7.5 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 02 एवं 10 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 02 आवंटित हुआ है। उन्होंने बताया है कि 2 एचपी हेतु 4 इंच, 3 व 5 एचपी हेतु 6 इंच एवं 7.5 व 10 एचपी हेतु 8 इंच की बोरिंग कृषक के पास होना अनिवार्य है। 2 एचपी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु 50 फुट एवं 3 एचपी सोलर पम्पर हेतु जलस्तर 150 फुट, 5 एचपी के लिये 200 फुट तथा 7.5 व 10 एचपी हेतु 300 फुट तक जल स्तर वाले क्षेत्र के कृषक योजना हेतु पात्र होगें। सोलर पम्प प्राप्त करने हेतु पंजीकृत कृषक विभागीय वेबसाइट पर जाकर जनपद को आवंटित लक्ष्य के 200 प्रतिशत तक टोकन जनरेट कर सकेगें। पंजीकृत कृषक का चयन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किा जायेगा। चयनित कृषक अपने जनपद में इण्डियन बैंक की किसी भी शाखा में कृषक अंश की धनराशि टोकन जनरेट होने के दिनांक से सात दिन के अन्दर कृषक अंश की धनराशि जमा करेगें अन्यथा की स्थिति में उसका टोकन चयन स्वतः निरस्त हो जायेगा। उन्होने बताया कि पीएम कुसुम योजना के तहत किसान भाई 02 एचपी डीसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 58853, 02 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 59171, 03 एचपी डीसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 77806, 03 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 77384, 5 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 109255, 7.5 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 148850 व 10 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 185722 की धनराशि निर्धारित है। किसान भाई अधिक जानकारी हेतु उप कृषि निदेशक कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

आम महोत्सव में जनपद के बागवान उत्कृष्ट उत्पाद के साथ करें प्रतिभाग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने बताया है कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी लखनऊ में आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उद्यान विभाग की ओर से जनपद के आम बागवानों को अवध शिल्प ग्राम, अवध विहार योजना लखनऊ में आयोजित आम महोत्सव में प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। यह आयोजन 04 जुलाई से 07 जुलाई तक रहेगा। इसमें बागवान व क्रेता आम विक्री हेतु अपना स्टाल भी साथ में आकर्षक पैंकिंग में लाकर विक्रय कर सकते है। जनपद में दशहरी, चैसा, फजली व लंगड़ा आम का उत्पादन अधिक होता हैं। लगभग 5615 हेक्टेयर क्षेत्रफल में आम का उत्पादन जनपद के मुख्यतः कुण्डा व कालाकांकर विकास खण्ड में किया जा रहा है जिसमें औसतन 77160 मीट्रिक टन का उत्पादन होता है। इस वर्ष आम उत्पादकों के अनुसार मार्च, अप्रैल में तापमान अधिक होने के कारण 30-35 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है जिसमें आम कारोबार प्रभावित हुआ है। उन्होंने बताया है कि आम महोत्सव में उत्कृष्ट कोटि के आम प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा होगी जिसमें अच्छे आम उत्पादकों को पुरस्कृत भी किया जायेगा। जनपद का कोई भी बागवान अपने उत्कृष्ट उत्पाद के साथ महोत्सव में प्रतिभाग कर सकता है।

खबर संक्षेप

खेत का चारा खाने से 3 भैस की मौत 15 पशु हुए बीमार

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के ककोढा गांव में खेत का चारा खाने से 3 भैंस की मौत हो गई है और 15 पशु बीमार हो गए है जिनका चिकित्सकों द्वारा इलाज किया जा रहा है बताया जाता है कि गांव के किसानों के फसलों में पशु आवारा छुट्टा छोड़ दिए जाते थे जिससे किसानों की फसल चर कर पशु नष्ट करते थे बार-बार किसान पशुओं को छुट्टा छोड़ने से लोगों को मना करते थे लेकिन लोगों को यह बात समझ में नहीं आती थी आवारा की तरह घूम घूम कर किसानों के खेतों में फसल को चरने वाले पशु संतोष कुमार के खेत पहुंच गए और वहां पर हरीचरी खाने लगे हैं हरी चरी खाते ही पशु चक्कर खाकर गिर गए तीन पशुओं की मौत हो गई और 15 पशु बीमार हो गए हैं गांव की सुनीता देवी पत्नी स्वा इन्द्र लाल सरोज की तीन भैस की मौत हुई है जबकि 15 पशु अभी बीमार चल रही हैं एसओ कोखराज,लेखपाल घटना स्थल पर पहुँचे है एसओ कोखराज ने ग्रामीणों से पूछताछ की और कार्यवाही कर मदद का अस्वासन दिया लेकिन मौके पर कोई भी सरकारी पशु डॉ नही पहुँच सके।

प्रधानाचार्यो को अपने-अपने विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा सम्राट उदयन सभागार में शिक्षा क्षेत्र में लागू की गयी योजनाओं यथा- बेटी बचाओ- बेटी पढाओं, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमत्री अभ्युदय योजना, मिशन शक्ति, इन्सपायर्ड अवार्ड योजना, छात्रवृत्ति से सम्बन्धित योजनाओं, प्रोजेक्ट अलंकार एवं राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान आदि की समस्त शिक्षा बोर्डा के प्रधानाचार्या के साथ बैठक की गई जिलाधिकारी ने सभी प्रधानाचार्या को य0पी0बोर्ड परीक्षा बिना किसी शिकायत के सफलता पूर्वक सम्पन्न करानें के लिए बधाई देते हुए अपेक्षा की कि आगामी बोर्ड परीक्षाओं को भी इसी प्रकार सम्पन्न करायेंगे। उन्होंने सभी प्रधानाचार्यो को अपने-अपने विद्यालयों मे शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये ,जिससे छात्र-छात्राओं को अच्छी शिक्षा मिल सकें तथा जनपद का

बैठक में संबोधित करते जिलाधिकारी

बैठक में शामिल विभागीय अधिकारी

परीक्षा परिणाम और बेहतर हो सकें। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक से कहा कि ऐसे विद्यालयों की सूची तैयार किया जाय, जिन विद्यालयों में अधिक संख्या में छात्र-छात्राऐं फेल हुए है तथा इन विद्यालयों के प्रधानाचार्यो के साथ बैठक कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के सख्त निर्देश दिया जाय।

उन्होंने सभी प्रधानाचार्या से कहा कि छात्रों को समझायें कि वे अपने पढाई पर विशेष ध्यान दें तथा असामाजिक कार्यो में संलिप्त न रहें। इसके साथ उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में लागू की गयी योजनाओं यथा- बेटी बचाओ- बेटी पढाओं, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमत्री अभ्युदय योजना, मिशन शक्ति एवं इन्सपायर्ड अवार्ड योजना आदि की जानकारी छात्र-छात्राओं को दिया जाय, विशेष कर छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति अवश्य जागरूक किया जाय। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति के तहत किये जा रहे कार्यो, वन स्टाप सेन्टर एवं रानी लक्ष्मीबाई बाल सम्मान कोष आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी जिला प्रोवेशन अधिकारी द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढाओं एवं कन्या सुमंगला योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, मिशन शक्ति, इन्सपायर्ड अवार्ड योजना, छात्रवृत्ति से सम्बन्धित योजनाओं, प्रोजेक्ट अलंकार एवं राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के बारे में भी जानकारी दी गई। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जिलाधिकारी को जनपद की हाईस्कूल एवं इण्टर के परीक्षा परिणामों के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया जिलाधिकारी ने जनपद में टाप-10 में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के विद्यालयों यथा-धर्मार्देवी इण्टर कालेज, मानसिंह इण्टर कालेज, हनुमान इण्टर कालेज, आदर्श इण्टर कालेज एवं महगॉव इण्टर कालेज आदि के प्रधानाचार्यो को सम्मानित किया गया इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शशिकान्त त्रिपाठी एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ0 विश्राम सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मंदिर में जलाभिषेक कर वापस निकालते विश्व हिंदू महासभा के पदाधिकारी

तपिश को समाप्त करने जलवृष्टि के लिए मंदिर में जलाभिषेक कर की याचना

कौशाम्बी। तपिश को समाप्त करने तथा जलवृष्टि के लिए मंझनपुर कस्बे के शिव मंदिर में विश्व हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने जलाभिषेक कर तपिश समाप्त करने और जल बरसाने की प्रभु से याचना की है त्रयोदशी शिवरात्रि के शुभ अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ के कई दर्जन पदाधिकारी शिव मंदिर मंझनपुर में एकत्र हुए और जलाभिषेक कर प्रभु से गर्मी खत्म करने के याचना की है और प्रभु से पानी बरसाने की विनती किया हैं। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगी आदित्यनाथ महाराज के सानिध्य में प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन मंझनपुर में हुआ है मण्डल अध्यक्ष प्रयागराज राम प्रसाद यादव के आवाहन पर जिला अध्यक्ष नरेश चन्द्र केशरवानी के नेतृत्व मे भगवान शिव के मंदिर में कई दर्जन विश्व हिंदू महासभा के पदाधिकारी सोमवार की सुबह एकत्रित हुए और उन्होंने तपिश को समाप्त करने तथा जलवृष्टि के लिए जलाभिषेक कर जल वर्षा हेतु याचना की नगर पालिक परिषद मंझनपुर अध्यक्ष मुकुंदी लाल केशरवानी जिला कोषाध्यक्ष विकास यादव कार्यकर्ता सुनील कुमार उर्फ चट्टू भाई, कल्लू सोनी मनीष केशरवानी गौतम वर्मा, रिंकू सिंह अजय वर्मा, सुशांत केशरवानी, अशोक केशरवानी , सौरभ केशरवानी, सुबोध केशरवानी, छप्पन केशरवानी, मनोज शर्मा उर्फ मंगू लाल, हनुमान वर्मा, मातृ शक्ति पत्नी आनन्द केशरवानी आदि समस्त साथी मौजूद रहे।

डीआरएम के औचक निरीक्षण में बनाया गया प्लेट फॉर्म दरक गया

रेलवे ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री लगाकर रातो रात बना प्लेट फॉर्म दे रहा किसी बड़ी घटना को दावत

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। रेलवे स्टेशन भरवारी में रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक के औचक निरीक्षण में रातों रात बनाए गए प्लेट फॉर्म में जगह जगह गड्ढे व होल हो गए है कुछ दिन पहले बना प्लेट फार्म दरक गया है जिससे यात्रियों को आवागमन में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। बता दे कि आज से लगभग दस दिन पूर्व रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक ने भरवारी रेलवे स्टेशन का दौरा किया था जिसमे उनके निगाह में अपने आपको आल एज वेल का तोहफा पाने के लिए रेलवे के अधिकारियों ने रातों रात स्टेशन को दुल्हन की तरह सजाने में कोई कोर कसर नही बाकी रक्खी गयी थी इसके लिए रातों रात स्टेशन को दुल्हन की तरह सजा दिया गया था। परंतु

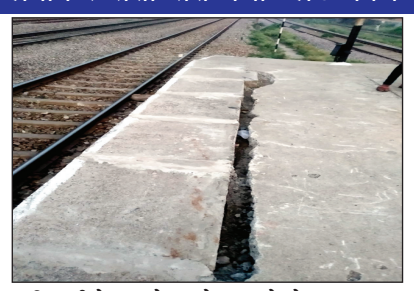
अधिकारी के सामने अपने आपको तो चुस्त दुरुस्त तथा आल एज वेल का खिताब के साथ वाह वाही लूट ली लेकिन उनके जाने के दस दिन के अंदर प्लेट फॉर्म सहित सभी जगहों पर लीप पोती का कारनामा उजागर हो गया। हालांकि ठेकेदार द्वारा कच्छप गति से रेलवे प्लेट फॉर्म पर कार्य चल रहा है जिसमे जगह जगह गड्ढे व प्लेट फॉर्म की जमीन दरक जाने से यात्रियों के सामने ट्रैन में चढ़ने उतारने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है यदि समय रहते यथा शीघ्र कार्य नही कराया गया तो किसी भी दिन बड़ी घटना घटने से कोई रोक नही सकता एक यात्री ने बताया कि ट्रेन में चढ़ते उतरते समय किसी का भी पैर होल में चला जायेगा तो उसका हाथ पैर तो टूट जायगा यदि थोड़ा सा असावधानी बरती गई तो यात्री सीधे ट्रैन के नीचे गिर जायेगा ऐसे में बड़ी घटना घटने से कोई रोक नही सकता।' अब सवाल यह उठता है इस तरह रेलवे स्टेशन के मातहत अपने शीर्ष अधिकारी के आंख में धूल झोंक कर अपनी पीठ थपथपाने का कार्य करेंगे तो यह बहुत बड़ी जांच का विषय है ऐसे अधिकारियों के ऊपर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए साथ ही स्टेशन और कार्यो की गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए।

अलग अलग थानों द्वारा पांच वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में अलग अलग थानों की पुलिस बल के द्वारा पांच वारण्टी अभियुक्तो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है जानकारी के मुताबिक थाना महेवाघाट पुलिस बल द्वारा दो वारंटी अभियुक्तो रोजी पत्नी मुस्ताक अली निवासी थाना महेवघाट व उमाकान्त पुत्र अंशधारी निवासी शाहपुर थाना महेवाघाट को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त संजय सोनकर पुत्र बुधराज निवासी नारा थाना मंझनपुर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना चरवा पुलिस बल द्वारा पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त डिन्नू रैदास पुत्र गनपत रैदास निवासी पैगम्बरपुर थाना चरवा को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना पिपरी पुलिस बल द्वारा एससी एसटी एक्ट से सम्बन्धित वारटी अभियुक्त भैयालाल पासी पुत्र स्व० भोला नाथ निवासी नूरपुर हाजीपुर थाना पिपरी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार : कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा एससी एसटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त शिवम मौर्य पुत्र त्रिभुवन मोर्य निवासी अचाकापुर थाना मंझनपुर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

आत्महत्या के लिये दुष्प्रेरण का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार : कौशाम्बी। थाना कोखराज पुलिस बल द्वारा वांछित अभियुक्त राजकुमार पुत्र स्व0 राम सिंह निवासी बदबदापुर थाना मोहब्बतपुर पइन्सा को गिरफ्तार कर। विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

हत्या के प्रयास का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार : कौशाम्बी। थाना चरवा पुलिस बल द्वारा वांछित अभियुक्त चन्दन पुत्र स्व0 राजाराम निवासी पैगम्बरपुर थाना चरवा को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

न्यूज झरोखा

त्रैमासिक योग प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

कौशाम्बी। उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थानम् लखनऊ द्वारा संचालित त्रैमासिक योग प्रशिक्षण जनपद के दुर्गा देवी संस्कृत उत्तर माध्यमिक विद्यालय मंझनपुर में 21 जून से प्रारंभ हो गया है। इस प्रशिक्षण की शुरूआत मुख्य अतिथि कृष्ण चंद्र मिश्र पूर्व प्रधानाचार्य फिरोज गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शमशाबाद के द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ माता सरस्वती की पूजा अर्चना से हुई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र प्रसाद मिश्र (पूर्व प्रवक्ता) जिला पंचायत इंटर कालेज पश्चिम शरीरा ने आज के युग में योग नियमित दिनचर्या में कैसे लाया जाय इस पर प्रकाश डाला।योग प्रशिक्षक कमल नयन मिश्र ने लोगों को योगाभ्यास कराया और एक योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक के रूप में शामिल योग विशेषज्ञ श्री देवव्रत पाण्डेय महर्षि वैदिक योग संस्थान करौदी मध्यप्रदेश की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रतिभागी आदर्श पाण्डेय को प्रथम जितेन्द्र शुक्ल को द्वितीय और शिवकेश पाण्डेय को तृतीय स्थान घोषित किया गया तथा इन्हें सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ.दिवाकर मिश्र ने किया।कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक राजेश प्रकाश त्रिपाठी रामकृष्ण तिवारी आचार्य डॉ.ज्ञानेश्वर त्रिपाठी आचार्य मुकेश चंद्र त्रिपाठी अथर्ववेदाचार्य अभिषेक मिश्र महेंद्र तिवारी के साथ विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान : निकाली गई जागरूकता रैली

कौशाम्बी। विकास खण्ड मंझनपुर के अन्तर्गत करारी क्षेत्र के एक शासकीय शिक्षण संस्थान के प्रधानाध्यापक के नेतृत्व में स्कूल चलो अभियान का आयोजन करते हुए पूरे गांव में बच्चों को भ्रमण कराया गया जिससे बच्चे काफी उत्साहित दिखे। आपको बता दें कि जुलाई आने से पहले सभी विद्यालय में प्रवेश प्रारम्भ हो चुके हैं इसी तत्वाधान में प्राथमिक विद्यालय महेन्द्र के प्रधानाध्यापक मोहम्मद अहमद के द्वारा बच्चों को जागरूक करने के लिए अपने विद्यालय के अध्यापकों एवं बच्चों को साथ में लेकर स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत पूरे गांव में भ्रमण कराया एवं उनके अभिभावकों से उन्होंने विद्यालय में नामांकन कराने के लिए अनुरोध किया। इस स्कूल चलो अभियान में प्रधानाध्यापक मोहम्मद अहमद एवं शिक्षक सुशील कुमार शुक्ल, संजय कुमार, अभिषेक शुक्ल एवं शिक्षामित्र रामसुरेश दिवाकर एवं पूजा जायसवाल मौजूद रहे।

पत्रकार के भाई का निधन

अखंड भारत संदेश

मनौरी कौशाम्बी। इलाहाबाद से प्रकाशित हिंदी दैनिक अखबार के पत्रकार विश्व पत्रकार महासंघ के जिलाध्यक्ष प्रदीप कुशवाहा के बड़े भाई वरिष्ठ पत्रकार अशोक कुशवाहा का निधन हो गया है कहानियां आप तक मासिक पत्रिका के लेखक रहे और दुख की झील व कर्तव्य उपन्यास में भी अशोक कुशवाहा के लंबे समय तक लेख प्रकाशित होते रहे जैसे ही पत्रकार के भाई के निधन की जानकारी लोगों को हुई उनके आवास पर लोगों की भीड़ लग गई सोमवार को गंगा नदी के किनारे फतेहपुर

मृतक पत्रकार के लेख कहानियां आप तक मासिक पत्रिका दुख की झील वा कर्तब्य उपन्यास में भी हुए प्रकाशित

घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया अंतिम संस्कार में इलाके के गणमान्य लोगों के साथ-साथ तमाम पत्रकारों ने अश्रुपूरित आंखों से अंतिम विदाई दी पत्रकार के भाई के निधन की जानकारी मिलते ही पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई और पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना प्रभु से की है और कहा कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे।

चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो-पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमे यातायात नियमों का उल्लघन करने वाले वाहनों का 97 ई-चालान किया गया व 01 वाहन का चालान कर 500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया।

पहले आओ-पहले पावों टोकन के आधार पर किया जायेगा चयन

कौशाम्बी। उप कृषि निदेशक उदयभान सिंह गौतम ने जनपद के सभी किसान भाईयों को सूचित किया है कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) सोलर पम्प वित्तीय वर्ष 2022-23 योजनान्तर्गत अनुदान पर सोलर पम्प पाने हेतु विभागीय वेबसाइटपर दिनांक-03.07.2022 से (अतिदोहित/ क्रिटिकल को छोड़कर) ऑन लाइन बुकिंग की जायेगी। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग में पंजीकृत कृषक ही पात्र होंगे, ह्लह्लपहले आओ-पहले पावोंह्लह्ल टोकन के आधार पर चयन किया जायेगा।

सोलर पम्प बुकिंग करने का दिनांक एवं समय-03.07.2022 को 11 बजे से लक्ष्य पूर्ण होने तक किया जा सकता है। योजना का लाभ लेने हेतु कृषकों का विभागीय वेबसाइट पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। कृषकों की बुकिंग जनपद के लक्ष्य की सीमा से 200 प्रतिशत तक पहले आओ-पहले पावो के सिद्धान्त पर किया जायेगा।

एक तरफ निर्माण दूसरी तरफ बर्बाद योजना में नगर पालिका का करोड़ों पर डाका!

अखंड भारत संदेश

नगरपालिका का गजब का फामूर्ला मिट्टी में सीमेंट की शुरू हुई जुड़ाई, तमाम योजनाओं में धांधली कर डाका डालने वाले बेईमान अधिकारियों की गिरफ्तारी कराने के बजाय उनके कार्यो को किया जा रहा है नजरअंदाज

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद मंझनपुर के रोज नए-नए कारनामे उजागर हो रहे हैं लेकिन उसके बाद भी नगरपालिका के कारनामे पर आला अधिकारी कार्यवाही करते नहीं दिख रहे हैं जिससे भ्रष्टाचार में लिप्त नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अधिशासी अधिकारी के हौसले बुलंद है और फर्जी आंकड़ों के सहारे केवल सरकारी खजाने से धन निकासी का खेल बीते 2 वर्षों से बेखौफ तरीके से संचालित हो रहा है तमाम योजनाओं में धांधली कर डाका डालने वाले अधिकारियों की गिरफ्तारी कराने के बजाय उनके कार्यों पर बार-बार अधिकारी नजरअंदाज कर रहे हैं।

नगर पालिका परिषद मंझनपुर क्षेत्र में कुछ समय पूर्व कराए गए पुराने कार्यों को तोड़कर नए कार्य कराए जा रहे हैं नाला बनाकर उसे तोड़ना गर्मी के महीने में पौधारोपण कर सरकारी खजाने को चपत लगाना बिना गिट्टी डालें सड़क का डामर कराया जाना घटिया क्वालिटी की पुलिया बनाया जाना मानक बिहीन घटिया क्वालिटी का नाला निर्माण कराया जाना बिना हैंड पंप बोरिंग कराए मरम्मत की रकम निकाल लेना दूसरे विभाग की जमीन पर बिना अनुमति विकास कराए जाने सहित तमाम आरोप नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी पर पूर्व से लगे हैं अधिशासी अधिकारी ने फिर एक नया कारनामा शुरू कर दिया है मंझनपुर नगर पालिका के चौराहे से तहसील रोड पर सड़क और इंटरलॉकिंग के बीच के स्थान पर सीमेंट बालू का मिश्रण लगाकर गैप भरने का काम शुरू कर दिया गया है एक तरफ गैप भरा जा रहा है दूसरी तरफ दो दिन बाद गैप की सीमेंट बालू हवा में उड़ रही है लेकिन इसमें सबसे अहम बात यह है कि डामर और इंटरलॉकिंग के बीच मिट्टी की सफाई नहीं की गई है मिट्टी में सीमेंट का जोड़ कैसे मजबूत होगा लेकिन नगरपालिका को किसी योजना की मजबूती और नियम कानून की कहां परवाह है सब कुछ अंधेर नगरी चौपट राजा की तरह नगर पालिका में होने के बाद अभी तक भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्यवाही नहीं हुई है एक भाजपा नेता ने अधिशासी अधिकारी के भ्रष्टाचार की शिकायत नगर निकाय लखनऊ से किया था लेकिन भाजपा नेता की शिकायत पर कार्यवाही होने के बजाय भाजपा नेता को ही डॉट कर चुप रहने पर मजबूर कर दिया गया अब सवाल उठता है कि विकास के नाम पर आखिर कब तक नाटक बाजी की आड़ में सरकारी खजाने को चूना लगाया जाता रहेगा।

प्रदेश सरकार भूगर्भ जल रिचार्ज हेतु चेकडैम, तालाबों का करा रही है निर्माण

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जल और जीवन एक.दूसरे के पूरक हैं। जहां जल है,वहां जीवन है। यदि जल नहीं तो जीवन नहीं। जल से ही जीव-जन्तु पेड़.पौधों आदि की उत्पत्ति एवं विकास होता है। आज बढ़ती हुई जनसंख्या एवं औद्योगीकरण के कारण भूजल का दोहन अधिक हो रहा है। भूगर्भ जल के स्तर में धीरे-धीरे कमी आ रही है। प्रदेश में गिरते भूगर्भ जल स्तर में सुधार तथा भूगर्भ जल के नियोजित विकास एवं प्रबंधन के साथ भूजल से सम्बंधित समस्याओं के अध्ययन एवं भूजल संरक्षण हेतु जनजागरूकता के लिए 05 योजनाएं यथा-भूगर्भ जल सर्वेक्षण का विकास, आंकलन एवं सुदृढ़ीकरण, शासकीय भवनों पर रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना, भूजल संसाधनों की गुणवत्ता का अनुश्रवण एवं मैपिंग, भूजल जन.जागरूकता एवं प्रचार.-प्रसार तथा राज्य भूजल भवन की स्थापना एवं नये पीजोमीटर की स्थापना की नवीन योजनायें प्रस्तावित हैं। प्रदेश में भूजल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण,प्रबन्धन एवं विनियमन के दृष्टिगत उ0प्र0 भूगर्भ जल (प्रबन्धन एवं विनियमन) अधिनियम-2019 लागू किया गया है। प्रदेश सरकार भूजल के गिरते स्तर को सामान्य लाने के लिए सम्बंधित क्षेत्रों में वर्षा जल को रोकने के लिए बन्धिया/चेकडैम, बांध, तालाब एवं पोखरों आदि का निर्माण कराकर जलस्तर बढ़ाने की योजनाएं संचालित की हैं। घरों तथा शासकीय भवनों में रूफटाप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की योजना संचालित है। जिसके अन्तर्गत शासकीय भवनों एवं निजी घरों के छतों से आने वाले वर्षा के पानी को खोदे गये हार्वेस्टिंग प्रणाली में एकत्रित कर भूगर्भ जल रिचार्ज में अभिवृद्धि की जा रही है। प्रदेश के डार्क घोषित विकास खण्डों में सरकार द्वारा बंधियां/चेकडैम एवं तालाबों का निर्माण कराया जा रहा है। भूगर्भ जल रिचार्ज में अभिवृद्धि हेतु स्थानीय नदी, नालों एवं वर्षा के जलबहाव वाले स्थलों पर चेकडैम बनाकर वर्षा जल को रोकते हुए भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में अब तक विभिन्न नदियों एवं नालों आदि पर 390 से अधिक चेकडैम बनाये गये हैं। जिन पर प्रदेश सरकार द्वारा 141.51 करोड़ रुपए व्यय किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन के अन्तर्गत क्रिटिकल तथा अतिदोहित चयनित विकास खण्डों में भूजल संवर्धन, सिंचाई, मछली पालन, पशुओं के लिए पीने का पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने आदि कार्यों हेतु तालाबों का निर्माण/जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। तालाबों के पुनर्विकास एवं प्रबंधन हेतु 01 हे0 से 05 हेक्टेयर क्षेत्रफल तक के तालाबों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2019-20 में 47.60 करोड़ रू0 व्यय करते हुए 118 तालाबों का निर्माण कराया है तथा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 48 करोड़ रू0 व्यय करते हुए अब तक 117 तालाबों का निर्माण/जीर्णोद्धार कराया गया है। वर्ष 2021-22 में 45 तालाबों का जीर्णोद्धार/निर्माण करते हुए 11.44 करोड़ रुपये व्यय किये गये हैं। प्रदेश सरकार भूगर्भ जल के स्तर में वृद्धि करते हुए कृषि उत्पादन में वृद्धि हेतु कृत संकल्पित है। इस दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा कराये जा रहे कार्य सराहनीय हैं।

आंख में मिर्ची झोंक कर सहज जन सेवा केंद्र से अपाचे सवार लूट ले गए 35 हजार

भरवारी कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के महमदपुर असवा तिराहे के पास असवा गांव निवासी आदेश प्रजापति पुत्र सुर्खी लाल प्रजापति ने सहज जन सेवा केंद्र की दुकान खोल रखी है सोमवार की दोपहर अपाचे सवार बदमाश दुकान पर पहुंचे और दुकान मालिक के आँख में मिर्ची झोंक कर गल्ले में रखा 35 हजार रुपए बदमाश उठा ले गए हैं बदमाशों की संख्या 5 बताई जाती है जानकारी मिलते ही मौके पर चौकी इंचार्ज भरवारी पहुंचे हैं और उन्होंने घटना की जांच की है घटना की जांच करने के बाद चौकी इंचार्ज ने कहा है कि हमारी टीम सक्रिय है और घटना का शीघ्र खुलासा करेंगे।

निरोधात्मक कार्यवाही में 11 अभियुक्त गिरफ्तार : कौशाम्बी पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में थाना चरवा से तीन थाना पिपरी से एक थाना सराय अकिल से चार थाना कडाधाम से दो थाना मझनपुर से एक कुल 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है।

वर्षो से नहीं साफ हुई नाली लोगों के घर में घुस रहा गंदा पानी

अखंड भारत संदेश

नगर पालिका परिषद से ग्राम पंचायत में मिलती थी बेहतर सुविधा, बजबजा रही है नाली नही आया आज तक सफाई कर्मचारी नगर के लोगो मे आक्रोश

भरवारी कौशाम्बी। नगर पालिका भरवारी के खल्लाबाद डाड बाबा मंदिर से लेकर पूरे खल्ला बाद मोहल्ले में वर्षो से नाली की साफ सफाई न होने से नाली बजबजा रही है बदबू दार पानी पीने को लोग मजबूर है लोगो ने बताया कि जब से नाली बनकर तैयार हुई है उसके बाद से आज तक कोई भी सफाई कर्मचारी नाली को साफ करने नही आया जिससे नगर के लोगो में आक्रोश है अधिशाषी अधिकारी गिरीश चंद्र का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सफाई कराए जाने की मांग की है। नगर के लोगो ने बताया कि जबसे नगर पालिका बनी है उसके बाद से इस मोहल्ला का विकास रुक गया है न कभी नाली की सफाई होती है सड़को की देखभाल न ही दवा का छिड़काव न ही कभी कोई अधिकारी का आगमन हुआ करता है जिससे लोगो मे जबरदस्त आक्रोश तो है ही वही लोगो ने यह भी कहा कि इससे पहले हमारा गावँ खुशहाल था प्रधान द्वारा गांव का सभी विकास व साफ सफाई परेशानी को तत्काल दूर कर दिया जाता था। नगर पालिका में शामिल करने से हमारे गांव का विकास रुक गया है जिससे यहां कि जनता अपने आपको असुरक्षित व निसहाय समझते हुए अपने

आपको ठगा सा महसूस कर रही है वही लोगो ने यहा तक कह डाला कि नगर पालिका अपने कार्यो को करवाने में असफल मानती है तो क्यो न हमारे गांव को नगर पालिका सीमा से बाहर कर दे जिससे हम लोग अपने प्रधान से वह सभी कार्य करवा सकते है जिसे नगर पालिका करने में अपने आपको निसहाय समझती है ' लोगो ने यहा तक कह डाला कि शीघ्र साफ सफाई व दवा का छिड़काव पानी की समुचित व्यस्वस्था न करने पर घेराव की बात कही।

बच्चों को किस उम्र से खिलाना शुरू करें मसाले? जानें उन्हें कौन से मसाले खिलाना सुरक्षित है

हमारे किचन में ऐसे कई मसाले और जड़ी बूटियां मौजूद होती हैं जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। मसाले हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ ही बेहतरीन खुशबू भी प्रदान करते हैं। साथ ही इन्हें कई स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने के लिए भी जाना जाता है। अक्सर पेरेंट्स इस बात को लेकर काफी असमंजस में रहते हैं कि क्या छोटे बच्चों को मसाले खिलाने चाहिए? या किस उम्र से उन्हें मसाले खिलाना सुरक्षित है? 6 महीने तक बच्चों को सिर्फ मां का दूध पिलाने की ही सलाह दी जाती है, उसके बाद उन्हें ठोस पदार्थ खिलाना शुरू किया जाता है। छोटे बच्चों का पाचन कमजोर होता है इसलिए उन्हें थोड़ी-थोड़ी मात्रा में ठोस पदार्थ खिलाए जाते हैं। बच्चों को मसाले खिलाना बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि यह उनकी इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है। आप जब बच्चों को ठोस पदार्थ खिलाना शुरू करते हैं तो उनके भोजन में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कुछ मसाले डाल सकते हैं। लेकिन सभी मसाले नहीं। इस लेख में हम आपको बच्चों को किस उम्र में कौन से मसाले खिलाने चाहिए, साथ ही कैसे खिलाना चाहिए इसके बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

1. हल्दी (Turmeric)

आप बच्चे को 8 महीने की उम्र के बाद हल्दी खिलाना शुरू कर सकते हैं। दाल, सांभर अन्य सब्जियों और प्यूरी में आप एक छोटी चुटकी हल्दी डालकर बच्चों को खिला सकते हैं। हल्दी के सेवन से उनका पाचन दुरुस्त होगा, इम्यूनिटी मजबूत होगी, एलर्जी से बचाव होगा साथ ही सांस लेने में तकलीफ की समस्या भी नहीं होगी।

2. मिर्च पाउडर (Chili Powder)

18 महीने से कम के बच्चों के भोजन में आपको मिर्च पाउडर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उसके बाद भी आपको बहुत कम मात्रा में व्यंजनों में इसका प्रयोग करना है। यह एक एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करता है।

3. अदरक (Ginger)

अदरक आपको बच्चों को 2 साल की उम्र के बाद खिलानी चाहिए। आप सब्जियों और चावल, बिरयानी जैसे व्यंजनों में अदरक डालकर बच्चों को दे सकते हैं, लेकिन थोड़ी-थोड़ी मात्रा में। अदरक पाचन को बेहतर बनाने, मतली और उल्टी को रोकने में मदद करती है। साथ ही साँस संबंधी समस्याओं को दूर करने में बहुत फायदेमंद है।

4. लहसुन (Garlic)

लहसुन आप बच्चे को 8-10 महीने के बाद दे सकते हैं। दाल, सांभर, करी, और सब्जी आदि में लहसुन का प्रयोग किया जा सकता है। यह गैस्ट्रिक समस्याओं से राहत प्रदान करता है और एक रोगाणुरोधी एजेंट के रूप में कार्य करता है।

5. जीरा (Cumin)

जीरा का सेवन भी 8 महीने बाद बच्चों के लिए सुरक्षित है। आप दाल, सांभर, चटनी, करी, सब्जी आदि में तड़के के लिए जीरा का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह पेट में कीड़ों का इलाज करता है, पेट के दर्द, सांस की बीमारियों, खून की कमी से छुटकारा दिलाने के साथ ही इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है।

युवाओं को मिले सुरक्षित भविष्य का भरोसा

अचानक अपना देश अपनी मूल समस्या के सामने आकर खड़ा हो गया है। भ्रष्टाचार, महंगाई, नौकरशाही और सेहत उपचार में सुधार या शिक्षा के नये क्षितिज खोलना बेशक अपने देश की आधारभूत समस्याएं हैं। लेकिन इनसे भी बड़ी एक और मूल समस्या इस युवा देश में युवकों को रोजगार देना है। बेशक पिछले दो वर्ष महामारी की असामान्य परिस्थितियों के कारण बहुत विकट थे। पहले बरस की शुरुआत पूर्णबंदी अथवा लॉकडाउन से हुई थी, इसके बाद अपूर्ण बंदी की स्थिति में भी जनजीवन असामान्य हो गया। कोरोना वायरस के रंग बदलने के कारण आर्थिक व स्वास्थ्य परिस्थितियां मृत्यु संवाहक रही। कोरोना महामारी की पहली और दूसरी लहर ने आर्थिक गतिविधियों को निस्पंद कर दिया। कहां तो विकास पथ पर गतिमान देश स्वतः स्फूर्त हो जाने के सपने देख रहा था, और कहां देश की विकास दर शून्य से भी बहुत नीचे चली गयी।

यहां औद्योगिक निवेश और कल-कारखानों की गति निस्पंद होती चली गयी। भीतरी, बाहरी व्यवसाय पर अवसाद और मन्दी के साये गहरा गये। देश की युवा पीढ़ी के लिए तो पहले ही शिक्षा अनुसार रोजगार की कोई गारंटी नहीं थी, अब निवेश और उत्पाद का ग्राफ यूं गिरा कि बड़े पैमाने पर मौजूदा रोजगार पर भी छंटनी और विस्थापन के साये मंडराने लगे। सरकार ने अपना दायित्व निभाने के नाम पर देशवासियों को भूख से न मरने देने की गारंटी तो दे दी, लेकिन उनकी शिक्षा और योग्यता के अनुसार उन्हें उचित काम देने की कोई गारंटी नहीं दी। शहरी बेकारी की समस्या तो पहले ही विकट थी और अपना समाधान पलायन में तलाश रही थी। अब उन्हें नयी नौकरियां तो क्या मिलनी थी, कामगारों की लगी-लगायी नौकरियां भी छूट गयीं। कभी श्रम विस्थापन की जो बहुत बड़ी समस्या देश विभाजन के समय पैदा हुई थी, वह उससे भी विकराल रूप धारण करके सामने आ गयी। जो निष्क्रमण पहले गांवों की आर्थिक दुरावस्था के कारण शहरों, महानगरों और औद्योगिक अंचलों में हुआ था, वह अब महानिष्क्रमण बनकर वापस गांवों की ओर लौटने लगा। आंकड़ों ने बताया कि श्रम शक्ति का यह विस्थापन इससे कहीं अधिक था, जितना इससे पहले भारत के सन? सैंतालीस के महाविभाजन में देखा था।

यह श्रम शक्ति उन्हीं अपने गांव-घरों की ओर लौट रही थी जिनकी आर्थिक दुरावस्था से आजिज आकर इन्होंने कभी शहरों और औद्योगिक विकल्प की ओर प्रस्थान किया था। अब वहां काम नहीं था, कल-कारखानों ने धुआं उगलना बंद कर दिया था। भूख और बेकारी के साथ बीमारी और महामारी के साये उन पर गहराने लगे थे। वे अपनी पैतृकधरा, गांवों की ओर न लौटते तो और क्या करते?

वे वापस लौटे तो पाया कि चाहे देश की कृषि क्षेत्र की सक्रियता ने ही देश को मृत्यु विभीषिका के विस्तृत प्रसार से बचाया था, लेकिन कृषि भी लघु अनार्थिक जोतों से घिरी, कृषि क्रांति से वंचित और रूढ़िवादी जीवन निर्वाह खेती थी। चन्द फसलों तक सिमटी पहली कृषि क्रांति ने उत्तरी भारत में जल्द दम तोड़ दिया था, और द्वितीय कृषि क्रांति करने का साहस देश का कोई कोना न जुटा पाया था। सरकार ने किसानों को नारे अवश्य दिये थे कि शीघ्र ही आपकी कृषि आय दोगुनी कर दी जायेगी, लेकिन फसल कीमतों के लिए न तो उन्हें स्वामीनाथन मॉडल दे पायी थी और न ही नियमित मंडियों में एमएसपी पर खरीद की गारंटी। छोटे किसान की आय क्या दुगनी होती, अब भी वह तो बमुश्किल जीवन निर्वाह खेती पर टिका था। अब इस ग्रामीण व्यवस्था पर लौटकर आये इन अतिरिक्त बंधु-बान्धवों के बोझ को कैसे उठा लेते? महामारी और महानगरों की आर्थिकता में अनिश्चय से चकराये हुए बन्धु-बान्धवों में से अधिकांश ऐसे रहे कि जो अब रोजी-रोटी के लिए महामारी के संक्रमण का दबाव घटने पर भी वापस जाने के लिए तैयार नहीं थे।

फिर भारत में रोजगार और काम का ढांचा ऐसा है कि नियमित-अनियमित, काम धंधा करने वाले दिहाड़ीदार, फड़ीवाले और रेहड़ी वाले अधिक हैं। महामारी के पहले झटके में ये सब लोग अपना काम खो बैठे, और अब संक्रमण का दबाव घटने पर अपने गांवों से शहरों की ओर लौटने को तैयार नहीं थे क्योंकि स्थिति सामान्य हो जाने के दावों के बीच रूस-युक्रेन युद्ध के तांडव से लेकर पर्यावरण प्रदूषण से जलवायु के असाधारण परिवर्तन ने ऐसा आपूर्ति का संकट पैदा कर दिया था कि थोक और फुटकल महंगाई ने अपनी वृद्धि के सभी रिकॉर्ड बनाये और कालाबाजारी ने बनावटी कमी पैदा कर दी।

नतीजा असाधारण मन्दी से जीवन का अभिशप्त होते जाना, निवेशकों का हतोत्साह और विकास दर का उम्मीद से कम रह जाना निकला। नौकरियों के द्वार इस विस्थापित जनशक्ति के लिए शहरों में पुनः उस प्रकार नहीं खुले। जिन्हें नौकरियां वापस मिलीं वह भी पहले से कम वेतन पर मिलीं। भला ऐसे में विस्थापित श्रम शक्ति अपनी सम्पूर्णता में कैसे लौट जाती? उन्हें तो अब अपने गांव-घरों के करीब ही रोजगार चाहिये था। सरकार ने लघु और कुटीर उद्योगों को जीवन दान देने की घोषणा तो कर दी। लेकिन केवल घोषणा ही।

उधर, स्टार्टअप उद्योगों को प्रोत्साहन देने और 'स्किल इंडिया' अभियान के द्वारा उन्हें नये कार्य कौशल में प्रशिक्षित करके रोजगार देने के बावजूद नतीजा टांय-टांय फिस्स निकला था। उम्मीद से कही कम उपलब्धि हुई और बेकारी के आंकड़े सुरक्षित सीमा रेखा से कहीं अधिक नजर आ रहे हैं। वैसे असली बेरोजगारी इससे कहीं अधिक है, क्योंकि इनमें पैतृक धंधों और खेती बाड़ी में लगे हुए अर्ध बेरोजगार और मनरेगा जैसी योजनाओं में लगे लोग शामिल नहीं थे।

बेकारी की यह समस्या देश की युवा पीढ़ी का मनोविज्ञान भी बदलने लगी। समाज सर्वेक्षकों ने बताया है कि इन बेकारों में बड़ी श्रम शक्ति ऐसी है जो अब किसी भी नौकरी को पाने के लिए न तो छटपटाती है और न ही तलाश के लिए द्वार-द्वार खटखटाती है। बल्कि उन्हें अब सरकार द्वारा प्रदत्त राहत और रियायत संस्कृति पर जीने की आदत हो गयी है। विश्व भर में सम्भवतः भारत ही एक ऐसा देश है जिसकी अस्सी करोड़ जनता रियायती अन्न के सहारे अपना जीवन यापन करती है। इसके लिए अपेक्षित अन्न भंडारण एवं अनुदान जुटाना भारतीय प्रशासन के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गयी है।

ऐसी विकट परिस्थितियों में पिछले दिनों जब भारत सरकार ने बेरोजगारी की समस्या से जूझने की कवायद के तहत दस लाख विभिन्न सरकारी विभागों की नौकरियां भरने, अथवा सेना में हर वर्ष चार वर्ष के लिए नौजवानों को भर्ती कर उनमें से एक-चौथाई को स्थायी नौकरी देने की घोषणा की, तब मूल बेकारी की समस्या अपनी संपूर्ण विकरालता के साथ सामने आ खड़ी हो गयी। अपने असंतोष और क्रोध का प्रदर्शन युवा पीढ़ी ने विस्तृत पैमाने पर राष्ट्रीय संपदा की हानि एवं हिंसा के साथ किया है। लेकिन बेकारी पर नवनिर्माण का दृष्टिकोण अपनाने की बजाय दलीय राजनीति होने लगी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के सामने सीना ठोक कर खड़े होते नजर आये हैं।समस्या से जूझने का यह उचित तरीका नहीं। यह समय उस भरोसे के निर्माण का है जिसमें युवा पीढ़ी को लगे कि उनका भविष्य सुरक्षित है। केवल सरकार और सेना क्षेत्र में ही नहीं, निजी क्षेत्र के देश के प्रति उत्तरदायी रवैये में भी यह आभासित हो।आज गारंटी केवल उचित काम देने की ही न मिले, बल्कि वह माहौल देने की भी मिले, जिसमें हर युवा इकाई अपने आपको दिशाहीन और असंरक्षित नहीं, बल्कि आजीवन सुरक्षित और संरक्षित पाये। अब निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की ईमानदार भागीदारी इस दायित्व को संभाले, अगर देश को विकासशील रहना है तो।

सम्पादकीय

कर्ज का मर्ज

कर्ज पर पंजाब की आप सरकार द्वारा जारी श्वेतपत्र का यह तथ्य चौंकाता है कि पंजाब का कुल कर्ज तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। अनुमान है कि राज्य में पैदा होने वाले हर बच्चे पर 97 हजार का कर्ज चढ़ जाता है। जहां राज्य का कर्जा 2.63 लाख करोड़ है, वहीं राज्य के विभिन्न बोर्डों व कार्पोरेशनों ने 55 हजार करोड़ का कर्ज ले रखा है, जो कुल तीन लाख तेरह हजार करोड़ बैठता है।

झचौदहवें वित्त आयोग के अनुसार, पंजाब का ऋण हर वर्ष दस प्रतिशत की दर से बढ़ा है। वहीं आप सरकार का आरोप है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 24 हजार करोड़ का कर्जभार उस पर छोड़ा है। दरअसल, लोकलुभावनी मुफ्त की घोषणाओं हेतु वित्तीय संसाधन जुटाने में आप सरकार को पसीने छूट रहे हैं। श्वेतपत्र का मकसद यह भी है कि बढ़ते कर्ज के बोझ की जिम्मेदारी कहीं आप के हिस्से न आ जाये। विगत में हरियाणा की खट्टर सरकार ने भी इसी तरह के आरोप हुड्डा सरकार पर कर्ज छोड़ने के लगाते हुए श्वेतपत्र जारी किया था। वैसे हरियाणा पर भी कर्ज का मर्ज बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के बावजूद वित्तीय वर्ष 2021-22 में राज्य का कर्ज बढ़कर 2.23 लाख करोड़ से अधिक हो गया, जिसके वर्ष 2022-2023 तक 2.43 लाख करोड़ होने का अनुमान है। वहीं हिमाचल सरकार का कर्ज का बोझ भी 65 हजार करोड़ पार कर गया है।

निस्संदेह, मुफ्त का चंदन घिस रघुनंदन की कहावत को चरितार्थ करने वाली आप ने दिल्ली की तर्ज पर पंजाब में भी मुफ्त की राजनीति को अमलीजामा पहनाया तो राज्य की अर्थव्यवस्था पर कर्ज का बोझ और बढ़ेगा। चुनाव के दौरान आप ने बिजली-पानी में रियायत के जो वादे किये थे, उनको हकीकत बनाना टेढ़ी खीर ही साबित होगी।

सरकार कह रही है कि जीएसटी लागू होने से राज्य को नुकसान हुआ है क्योंकि कृषि पैदावार को जीएसटी के अधीन न लाकर बड़ी छूट दी गई है।

चिंता यह है कि राज्य में कर्ज का बोझ पंजाब सरकार के वार्षिक बजट से दोगुना हो गया है। उसका 46 फीसदी रेवेन्यू केंद्र से ग्रांट और करों का हिस्सा है। राज्य सरकारें वित्तीय संसाधनों का बेहतर प्रबंधन नहीं कर पायी हैं। वहीं जून, 2022 में जीएसटी मुआवजा खत्म होने से उसे झटका लगा है। निस्संदेह सकल घरेलू उत्पाद व कर्ज का अनुपात देश में सर्वाधिक होने के कारण पंजाब के ऋण कुचक्र में फंसने की आशंका है।

आरबीआई के एक लेख में देश के सबसे ज्यादा पांच बीमार राज्यों में पंजाब व केरल को शामिल किया गया है। अपने राजस्व व्यय का दस फीसदी सब्सिडी पर खर्च करने वाले पंजाब ने यदि इसकी भरपाई न की तो राज्य की वित्तीय सेहत बिगड़ेगी। दरअसल, वोट जुटाने के लिये मुफ्त बिजली, पानी, सार्वजनिक परिवहन और कृषि ऋण माफी जैसी नीतियों के चलते राज्य पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ा है। साथ ही मुफ्त बिजली-पानी से पर्यावरण संकट भी बढ़ा है।

आशावाद से जीवन को भरपूर रूप में जीना

आज हमारा समाज एक विचित्र सी मन:स्थिति में जी रहा लगता है। सभी कहीं-न-कहीं यही चाहते हैं और यही सोचते भी हैं कि उन्हें कोई कष्ट या बाधा अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में न झेलनी पड़ जाए। कभी-कभी तो हम आसन्न बाधाओं की कल्पना मात्र से इतने भयभीत हो जाते हैं कि अपने कर्म से ही विमुख हो जाते हैं। महाकवि जय शंकर प्रसाद ने 'कामायनी' काव्य में महाप्रलय के कारण सृष्टि के विनाश को देखकर बुरी तरह हताश और निराश मनु को श्रद्धा के द्वारा जो संदेश दिलाया है, वह वस्तुत: हमारी संस्कृति का मूलमंत्र है। जो हो गया, उसे भूल कर आगे बढ़ने का नाम ही तो ज़िन्दगी है। 'श्रद्धा' हताश-निराश मनु को कहती है=-'कामायनी' की श्रद्धा का यह प्रश्न आज हम सबके लिए प्रासंगिक बन गया है। हम भी प्रलय के बाद जीवित बचे मनु की तरह ही जीवन के भविष्य को अंधकारमय मान कर कर्म से ही भागना चाहते हैं, तो श्रद्धा का प्रश्न है=-निश्चय ही आने वाला कल उजियारा लेकर भी तो आ सकता है न? तब क्यों हम अंधियारे के विकल्प से ही चिपके रहें? इस प्रश्न का उत्तर खोजते हुए एक बोधकथा पढ़ने को मिली। बताती है कि हमें जब भी विकल्प चुनने का कोई अवसर मिले, तो मन से निराशा के अंधियार को दूर फेंककर हमें आशा के उजियार को चुनना चाहिए। कथा इस प्रकार है—'एक बार पांच कैदियों को फांसी की सज़ा सुनाई गई और फांसी के फंदे पर लटकाने से पहले उन्हें एक विकल्प दिया गया कि वो चाहें, तो फांसी पर लटक जाएं या फिर सामने वाले उस दरवाजे के पीछे जो चीज़ है, वे उसका सामना करें। विकल्प की बात सुनकर सारे कैदी डर गए। उन्हें लगा कि शायद उस दरवाज़े के पीछे कोई और भी खतरनाक चीज है जिसे पाकर मौत से उनका सामना होगा। इसी कल्पना से डरे पांच में से चार कैदी दरवाजे के पीछे वाली चीज का सामना करने से हट गए और एक-एक करके फांसी पर लटक गए। आखिरी कैदी ने मन में सोचा कि जब फांसी लगवा कर मरना ही है, तो दरवाजे के पीछे की उस चीज़ का सामना करके ही क्यों न मरा जाए? और उसने विकल्प चुन लिया।जब वह दरवाज़ा खोला गया, तो सामने एक बड़ा-सा मैदान था और वो वास्तव में आज़ादी का दरवाजा था, लेकिन डरकर चार कैदियों ने मन के अनजाने डर के कारण उस दरवाज़े को 'खोलने वाले विकल्प' को चुना ही नहीं? सच में, इसे ही तो विज़न कहते हैं। जो सामने नहीं हो, उसे भी कम से कम एक बार देख लेना।'

इस बोधकथा का संदेश यही है कि ज़िंदगी में कुछ भी स्थायी नहीं है। हमें ही लगता है कि कल अमुक व्यक्ति जीवन में नहीं होगा, तो हमारा क्या होगा? लेकिन ज़िंदगी के पास तो हर चुनौती का समाधान है न? इसी कारण हम कई बार मन को मारकर, किसी की खुशामद करने में लगे रहते हैं, जबकि जीवन का अटल सत्य यह है कि वो हमें सदा अचंभित कर देता है।दरअसल, किसी कड़वे अनुभव के बाद हम 'यह दुनिया तो रहने लायक ही नहीं' जैसे वाक्य को अपना जीवन मंत्र बना कर सब पर अविश्वास करने लगते हैं, जबकि यह दुनिया सदैव भरोसेमंद लोगों के कारण ही चली आ रही है। अगर दुनिया में सब गलत ही होते, तो ये संसार तो नर्क ही हो जाता?निःसंदेह, ज़िंदगी में सारे कड़वे अनुभव खराब ही नहीं होते, वो हमें सही और गलत का एहसास भी कराने आते हैं। हमें आने वाले कठिन समय के लिए तैयार करने भी आते हैं और सच कहूं, तो हमारे जीवन से गंदगी, तकलीफें और बाधाएं साफ करने भी आते हैं। हां, कभी-कभी कुछ लोगों को भी ये घमंड हो जाता है कि मेरे बिना दुनिया का कुछ नहीं होगा, मेरे अलावा तो इसे कोई नहीं पूछेगा, जबकि ऐसा होता नहीं है, क्योंकि ज़िंदगी हर बार एक नया दरवाज़ा खोल ही देती है। बस हमें चुनना होता है कि उस नए दरवाज़े के पीछे जो चीज़ है, उसका सामना हमें करना है या नहीं?तो आइए, 'कामायनी' के इस संदेश को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाकर आशावादी होकर जीवन को भरपूर रूप में जीयें और बाधाओं से डरने की कल्पना के बजाय उनसे लड़ना सीखें।

पीएम मोदी ने कहा- खेल जगत में बढ़ रहा है भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा, सफलता में परिजनों व माता-पिता की भी बड़ी भूमिका

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 90वें संस्करण में देश के युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन और उनके रिकॉर्ड की चर्चा की। उन्होंने कहा कि खेल जगत में इन युवा खिलाड़ियों के बेहतरीन खेल की वजह से भारत का दबदबा बना है। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा, क्रिकेट मिताली राज, वेटलिफ्टर एम मार्टिना देवी और काजोल, साइकलिंग आदिल अल्ताफ व पर्वातारोही पूर्णा जैसे खिलाड़ियों के प्रदर्शन से भारत की नई पहचान बन रही है। इनकी सफलता में इन खिलाड़ियों के परिजनों व उनके माता-पिता की भी बड़ी भूमिका रही है।

नीरज नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं

'मन की बात' के 90वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा फिर से सुर्खियों में छाए हैं। ओलंपिक के बाद भी वह एक के बाद एक सफलता के नए नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। फिनलैंड में नीरज ने पावो नुरमी गेम्स में सिल्वर जीता। यही नहीं, उन्होंने अपने ही जैवेलिन थ्रो के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। कुओर्टेन गेम्स में उन्होंने एक बार फिर गोल्ड जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। यह गोल्ड उन्होंने ऐसे हालातों में जीता जब वहां का मौसम भी बहुत खराब था। यही हौसला आज के युवा की पहचान है।

स्टार्टअप्स से स्पोर्ट्स वर्ल्ड तक युवा बना रहे नए-नए रिकॉर्ड

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स से लेकर स्पोर्ट्स वर्ल्ड तक भारत के युवा नए-नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। अभी हाल में ही आयोजित हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भी हमारे खिलाड़ियों ने कई रिकॉर्ड बनाए। इन खेलों में 12 रिकॉर्ड टूटे हैं। इतना ही नहीं, 11 रिकॉर्ड महिला खिलाड़ियों के नाम दर्ज हुए हैं। मणिपुर की एम मार्टिना देवी ने वेटलिफ्टिंग में आठ रिकॉर्ड बनाए हैं। इसी तरह संजना, सोनाक्षी और भावना ने भी अलग-अलग रिकॉर्ड बनाए हैं। अपनी मेहनत से इन खिलाड़ियों ने बता दिया है कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारत की साख कितनी बढ़ने वाली है। सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी देते हैं।

केमार रोच के 250 विकेट, बांग्लादेश के छह विकेट पर 132 रन

ग्रोस आइलेट : केमार रोच के 250 टेस्ट विकेट पूरे हो गए और इसके साथ ही वेस्टइंडीज ने दूसरे टेस्ट में पारी से हार को टालने के लिये जूझ रही बांग्लादेश पर तीसरे दिन शिकंजा भी कस लिया है। बांग्लादेश ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर दूसरी पारी के छह विकेट 132 रन पर गंवा दिए थे। अभी भी वह मेजबान के पहली पारी के स्कोर से 42 रन पीछे है।

रोच ने पहले दिन विकेट लिए और दूसरी पारी में 10 ओवर में 32 रन देकर तीन विकेट चटकाए। उनके 73 टेस्ट में अब तक 252 विकेट हो गए हैं। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज तामिम इकबाल (चार) उनका 250वां शिकार बने जिन्होंने विकेट के पीछे कैच थमाया। रोच अब वेस्टइंडीज के लिये सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में छठे स्थान पर है। महान तेज गेंदबाज कर्टनी वॉल्श 132 मैचों में 519 विकेट लेकर शीर्ष पर हैं।

रोच ने सलामी बल्लेबाज महमूदुल्लाह हसन जॉय (13) और अनामुल हक (चार) को भी पवेलियन भेजा। नजमुल हुसैन शंटो ने बांग्लादेश के लिए 91 गेंद में 42 रन बनाए और वह अलजारी जोसेफ का शिकार हुए। इससे पहले वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 340 रन से आगे खेलना शुरू किया और पहली पारी में 408 रन पर टीम आउट हो गई। काइल मायर्स 146 रन बनाकर शरीफुल इस्लाम की गेंद पर विकेट गंवा बैठे। उन्होंने अपनी पारी में 18 चौके और दो छक्के लगाए। भारी बारिश के कारण खेल जल्दी रोकना पड़ा। बांग्लादेश ने पहली पारी में 234 रन बनाये थे।

स्टीफन सितसिपास ने आगुत को हराकर मालोर्का चैंपियनशिप जीती

पाल्मा (स्पेन) । स्टीफन सितसिपास ने विंबलडन की अच्छी तैयारी करते हुए यहां फाइनल में रॉबर्टो बतिस्ता आगुत को हराकर मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीता। सोमवार को आल इंग्लैंड क्लब पर शुरू हो रहे विंबलडन से पहले सितसिपास का एटीपी टूर पर यह पहला ग्रास कोर्ट खिताब है। यूनान के दूसरे वरीय सितसिपास ने निर्णायक सेट के टाईब्रेकर में आगुत को हराकर 6-4 3-6 7-6(2) से जीत दर्ज की।सितसिपास की यह सत्र की 40वीं जीत है। यह सितसिपास के करियर का नौवां और सत्र का दूसरा खिताब है। उन्होंने अप्रैल में मोंटे कार्लो टूर्नामेंट का खिताब भी बरकरार रखा था। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज सितसिपास को विंबलडन के पहले दौर में एलेक्जेंडर रिचार्ड से भिडना है। अमेरिकी ओपन 2017 उप विजेता मेडिसन कीज और बोर्ना कोरिच चोट के कारण विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट से हट गए। टूर्नामेंट सोमवार से शुरू हो रहा है। आल इंग्लैंड क्लब पर 19वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी कीज पेट की मांसपेशियों में चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं।

पंड्या की कप्तानी में जीत से शुरुआत:भारत ने पहले टी-20 में आयरलैंड को 7 विकेट से हराया, डेब्यू मैच में फ्लॉप रहे उमरान मलिक

मेलाहाइड। हार्दिक पंड्या ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने कप्तानी करियर की शुरुआत जीत के साथ की है। टीम इंडिया ने शनिवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले टी-20 मैच में 7 विकेट से जीत हासिल की। पंड्या खुद गेंद और बैट दोनों के साथ चमक बिखेरने में सफल रहे। उन्होंने आयरलैंड की पारी में 1 विकेट लिया और बाद में 11 गेंदों पर 24 रन भी बनाए।

बारिश के कारण यह मैच प्रति पारी 12-12 ओवर का कर दिया गया था। आयरलैंड ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 108 रन बनाए। हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए। जवाब में टीम इंडिया ने 9.2 ओवर में तीन विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। दीपक हुड्डा ने नाबाद 47 रन बनाए। ईशान किशन ने 26 रनों की पारी खेली।

यादगार नहीं बन पाया उमरान मलिक का डेब्यू

इस मैच में उमरान मलिक का देश के लिए खेलने का सपना पूरा हुआ, हालांकि उनके लिए यह मुकाबला यादगार नहीं बन पाया। टी-20 इंटरनेशनल में भारत के 98वें क्रिकेटर बने उमरान को सिर्फ 1 ओवर गेंदबाजी मिली। इसमें उन्होंने 14 रन लुटा दिए।

भुवी ने पहले ही ओवर में लिया विकेट

मैच में भुवनेश्वर कुमार ने भारत को जोरदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने पहले ही ओवर में आयरलैंड के कप्तान एंड्र्यू बालबर्नी (0) को पवेलियन चलता कर दिया। पंड्या ने अगले ओवर में खतरनाक पॉल स्टर्लिंग (4) को आउट किया। आवेश खान ने गारेथ डेलनी का

विकेट लिया। इसके बाद हैरी टेक्टर ने आयरलैंड की पारी को संभाला और टीम को सम्मानजक स्कोर तक पहुंचाया।

हालांकि, भारत के लिए यह स्कोर बेहद मामूली साबित हुआ और ईशान, हुड्डा और पंड्या की पारियों के दम पर टीम ने इसे आसानी से चेज कर लिया। दूसरी टी-20 मैच 28 जून को खेला जाएगा।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारत: ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या (कप्तान), दिनेश कार्तिक, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान उमरान मलिक और युजवेंद्र चहल।

आयरलैंड: पॉल स्टर्लिंग, एंड्र्यू बालबर्नी (कप्तान), गारेथ डेलनी, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, एंडी मैकब्रायन, जॉर्ज डॉकरेल, मार्क एडेर, क्रेग यंग, कोनोर ओल्फेट और जोशुआ लिटिल।

चार साल बाद भारत की मेजबानी कर रहा है आयरलैंड

टीम इंडिया इस समय दुनिया की सबसे ज्यादा डिमांड वाली टीम है। हर क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि वह भारतीय टीम की मेजबानी करे और एक सीरीज से इतनी कमाई कर ले जितनी वह आम तौर पर एक से दो साल में करता है। इसका नतीजा यह निकलता है कि आयरलैंड जैसे क्रिकेट के नवजातों को भारतीय सितारों की मेजबानी का सौभाग्य कई-कई सालों बाद मिलता है। टीम इंडिया 2018 के बाद पहली बार आयरलैंड गई है। 2018 में भारत ने वहां दो टी20टी खेले थे और दोनों में जीत हासिल की थी। उसके बाद से दोनों टीमों के बीच दुनिया के किसी भी कोने में किसी भी फॉर्मेट का कोई भी मैच नहीं हुआ है।

बुल-फाइट के दौरान स्टेडियम ढहा

लकड़ी की 3 मंजिला छत में दबे 300 से ज्यादा लोग, 18 माह के बच्चे समेत 4 की मौत

कोलंबिया। कोलंबिया में बुल फाइट के दौरान स्टेडियम की छत ढहने से 4 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक 18 माह का बच्चा भी शामिल है। 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। इनमें 30 की हालत गंभीर हैं। यह हादसा टोलिमा राज्य के एल स्पिनल शहर में हुआ।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गोस्तवो पेट्रो ने इस घटना का वीडियो शेयर किया है। उन्होंने बताया कि जब लकड़ी के स्टेडियम की छत ढही तब वहां 800 लोग बैठे थे।

हादसे में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। जो इलाज के लिए

हास्पिटलाइज हुए। वीडियो में देखा जा सकता है जैसे ही तीन मंजिल स्टेडियम का एक हिस्सा गिरा, वहां भगदड़ मच गई।

30 लोग गंभीर रूप से घायल

टोलिमा के गवर्नर जोस रिकॉर्डो ओरोज्को ने स्थानीय 'ब्लू रेडियो' से कहा कि मरने वालों में एक नवजात समेत दो महिलाएं, एक पुरुष शामिल है।

ताज ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की टीम बनी ओवरऑल चैंपियन

आगरा। आगरा ताज ओपन नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम ओवरऑल चैंपियन बनी। सब जूनियर, कैडेट, जूनियर और सीनियर वर्ग में यूपी की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। उत्तराखंड की टीम उपविजेता बनी। आर्मी की टीम तीसरे, मध्य प्रदेश की टीम चौथे और राजस्थान की टीम पांचवें स्थान पर रही। प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों के 500 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

इन्होंने जीता सोना

प्रतियोगिता के अंतिम दिन पूमसे इवेंट में बालिका वर्ग में 15 और बालक वर्ग में 21 स्वर्ण पदकों के लिए कांटेदार मुकाबले हुए। बालिका वर्ग में स्वाति शुक्ला, चंचल यादव, पंखुरी मेहरा, एंजल सिंह, महिमा यादव, रजनी, प्रिया, फातिमा खां, हमजा सिद्दकी, आकृति सिंह, हर्षिता सिंह, हर्षिता यादव, फातिमा सिद्दिकी, एजेनिव सिद्दिकी और साक्षी राठौर ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

बालक वर्ग के विजेता

बालक वर्ग में प्रदीप गौड़, सुदर्शन देवनाथ, शब्द स्वरूप सिंह, अक्षय विश्वकर्मा, पारस कुमार, सुखवीर सिंह, तोषांत कुमार, ऋषभ सिंह, इशांत कुमार, रिशु

तिवारी, अमन सिंह, अजय यादव, प्रियांशु कुमार, अनुराग कुमार, अनुराग सेठ, धवल शुक्ला, एश्वर्या रस्तोगी, कुलवंश यादव, अनमोल शर्मा, हिमांशु वर्मा और देवेंद्र प्रताप ने सोना जीता।

बदलावों के साथ ग्रास कोर्ट का ग्रैंड स्लैम विंबलडन शूरू, 10 जुलाई तक होगा साल का तीसरा टूर्नामेंट

लंदन। साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम विंबलडन का आयोजन सोमवार से लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब पर शुरू तो प्रतिष्ठित टूर्नामेंट सभी की निगाहें अनुभवी व दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच, स्पेन के राफेल नडाल, ब्रिटेन के एंडी मरे, अमेरिका की सेरेना विलियम्स खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में उतर रहे हैं। इनके अलावा युवा खिलाड़ी ब्रिटेन की एमा रादुकानु, पोलैंड की इगा स्वियातेक, अमेरिका के कार्लोस अलकराज पर भी सभी की निगाहें होंगी। हालांकि, कुछ प्रमुख खिलाड़ी रोजर फेडरर, डेनियल मेदवदेव, सबालेंका, ओसाका इस बार विंबलडन में नहीं दिखेंगे।

145 साल पुराने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हरे-भरे कोर्ट, स्ट्रॉबेरी, सफेद कपड़े इस टेनिस की अचूक पहचान हैं, लेकिन इस साल ग्रास कोर्ट ग्रैंड स्लैम में कुछ परंपराएं टूटती भी नजर आएंगी। शीर्ष खिलाड़ियों को सेंटर कोर्ट और मेन शो कोर्ट (कोर्ट-1) में अभ्यास करने की अनुमति होगी। इससे पहले वह इस ग्रास कोर्ट पर तभी जा सकते थे जब चैंपियनशिप के दौरान उनका कोई मैच हो। वहीं रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के कारण ऑल इंग्लैंड टेनिस क्लब ने रूस व बेलारूस खिलाड़ियों के खेलने पर प्रतिबंध लगा दिया है। नतीजतन, एटीपी और डब्ल्यूटीए ने टूर्नामेंट से रैंकिंग अंक छीन लिए।

पहली बार सभी 14 दिन होंगे मैच

पहली बार विंबलडन में मध्य रविवार का अवकाश नहीं होगा। यानी सभी मैच 14 दिनों

तक मैच खेले जाएंगे। इससे पहले आमतौर पर विंबलडन के पहले हफ्ते और दूसरे हफ्ते के बीच रविवार को मैच नहीं होते थे। मैच तभी खेले गए जब खराब मौसम के कारण पहले कुछ मैच नहीं हो सके। टूर्नामेंट के 145 साल के इतिहास में केवल चार मौकों पर मध्य रविवार को मैच हुए थे। ऐसा करने से ब्रॉडकास्टर्स और ऑर्गनाइजर्स को ज्यादा कमाई की उम्मीद है।

तौलिया पर दिखेगा सेंटर कोर्ट का 100 साल का डिजाइन

सेंटर कोर्ट अपना 100वां जन्मदिन मनाएगा। चैंपियनशिप के आधिकारिक तौलिये का हर बार एक अलग डिजाइन होता है। इस बार इसे सेंटर कोर्ट के 100 साल दिखाए जाएंगे। वहीं 86 साल बाद पेय कंपनी ने रॉबिन्सन स्कवॉश अब विंबडलन को प्रायोजित नहीं करेगा। 1935 से अंपायर की सीटी के बाद चेयर पर रखी सीढ़ियों पर इनको रखा जाता था।

तीन साल बाद खुलेगी टिकट खिड़की

तीन साल पहले टेनिस शुरू होने से पहले रातभर क्लब के बाहर प्रशंसक कैंप में रुककर टिकट खिड़की खुलने का इंतजार करते थे। उस वक्त लंबी-लंबी कतारें नजर आती थीं, लेकिन कोरोना वायरस के कारण 2020 में टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया था और 2021 में ऑनलाइन टिकट बिके थे। हालांकि, इस बार आयोजकों ने इसे फिर से शुरू किया है।

दीपिका कुमारी की टीम को चीनी ताइपे से मिली हार, रजत से करना पड़ा संतोष

मुंबई । दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और सिमरनजीत कौर की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रविवार को विश्व कप के तीसरे चरण में एकतरफा फाइनल में चीनी ताइपे की तिकड़ी से हारकर रजत पदक

हासिल किया। भारत ने इस तरह प्रतियोगिता में अपना अभियान एक स्वर्ण और दो रजत पदक से समाप्त किया। इनमें से दो पदक कम्पाउंड वर्ग में मिले थे। महिला रिकर्व टीम को 13वीं वरीयता दी गई थी क्योंकि तीनों तीरंदाज व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन दौर में शीर्ष 30 से बाहर रही थीं। भारतीय टीम फाइनल में प्रभावित नहीं कर सकी और चीनी ताइपे से सीधे सेट में 1-5 (53-56 56-56 53-56) से हार गई।

दुनिया की तीसरे नंबर की तीरंदाज दीपिका की यह यादगार वापसी रही जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक की निराशा के बाद टीम से बाहर किए जाने के बाद रजत पदक जीता। हालांकि, टूर्नामेंट कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा की स्वप्निल वापसी के बारे में रहा, जिन्होंने अभिषेक वर्मा के साथ मिलकर भारत को एक स्वर्ण (मिश्रित टीम स्पर्धा) दिलाया और एक व्यक्तिगत रजत पदक जीता।

घरेलू क्रिकेट का नया बादशाह मध्य प्रदेश:पहली बार रणजी का खिताब जीता, फाइनल में मुंबई को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े डोमेस्टिक क्रिकेट टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी को नया चैंपियन मिल गया है। बेंगलुरु में खेले गए फाइनल मुकाबले में मध्य प्रदेश ने 41 बार की चैंपियन मुंबई को छह विकेट से हराकर पहली बार खिताब जीत लिया है पिछले कुछ सालों में देश में एक के बाद एक नई शक्तिशाली टीमें उभर कर सामने आ रही हैं। MP की खिताबी जीत भी इस फैक्ट की तस्दीक करती है। 2014-15 से अब तक 8 सीजन में 6 अलग-अलग टीमों ने खिताब जीते हैं।

सख्ती ऐसी- सेमीफाइनल के बाद प्लेयर्स के घर वालों तक के फोन बंद करा दिए थे

मैच के आखिरी दिन मुंबई की दूसरी पारी 269 रन के स्कोर पर सिमट गई। इस तरह MP को जीत के लिए 108 रन का टारगेट मिला, जिसे उसने चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। पहली पारी में मुंबई ने 374 रन बनाए थे। जिसके जवाब में मध्यप्रदेश ने 536 रन बनाते हुए 162 रन की बढ़त हासिल की थी।

यह सब करना आसान नहीं था

'पूरी तरह से उत्साहित हूं। हम बेहद भावुक हैं। कप्तान के रूप में यह मेरा पहला साल था। मैंने जो कुछ सीखा है वह चंद्रकांत सर से सीखा है। मैं इसे जारी रखना चाहता हूं। यह बहुत ही शानदार है। अच्छा महसूस हो रहा है। यह सब करना आसान नहीं था।'

- आदित्य श्रीवास्तव, कप्तान, मध्यप्रदेश टीम

MP ने अच्छा खेला

'लड़कों ने जिस तरह से खेला है, वह अविश्वसनीय था। टीम में बहुत सारे नए लोग थे। MP ने अच्छा खेला। मैं अधिक समय तक बल्लेबाजी कर सकता था। इस

साल नहीं, लेकिन निश्चित रूप से अगले साल हम जीतेंगे। सरफराज, मुलानी, पारकर, अरमान जाफर ने अच्छा खेला। वे टीम का भविष्य हैं।'

- पृथ्वी शॉ, कप्तान, मुंबई टीम

एक नजर में Victory मोमेंट

- सबसे पहले दोनों बल्लेबाजों ने एक दूसरे को गले लगाकर जीत का जश्न मनाया।

- दूसरी ओर ड्रेसिंग रूम में बैठे कोच चंद्रकांत पंडित भावुक हो गए।

पहली पारी में बढ़त बनाई फिर जीत भी हासिल की

MP ने मुंबई की पहली पारी के 374 रन के स्कोर के जवाब में 536 रन बनाकर अपना एक हाथ ट्रॉफी पर पहले ही रख दिया था। नियमों के मुताबिक अगर फाइनल ड्रॉ होता है तो पहली पारी में बढ़त हासिल करने वाली टीम विजेता बनती है। हालांकि, स्क्क ने इतने से संतोष नहीं किया और आखिरी दिन छह विकेट से जीत हासिल कर खुद को इस ट्रॉफी का सच्चा हकदार साबित किया।

तीन बल्लेबाजों के शतक, गेंदबाजों ने भी किया कमाल

फाइनल मे MP की ओर से तीन बल्लेबाजों यश दुबे (133 रन), शुभम शर्मा (116 रन) और रजत पाटीदार (122 रन) ने शतक जमाए। MP के गेंदबाजों ने अपना योगदान बखूबी दिया। गौरव यादव ने मैच में 6 विकेट लिए। कुमार कार्तिकेय के हाथ पांच सफलता लगी। बाकी गेंदबाजों ने भी उनका भरपूर सहयोग किया।

MP के बड़े स्कोर में 3 शतकवीरों का रहा योगदान

मुंबई की पहली पारी के 374 रन के जवाब में मध्यप्रदेश ने 536 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। यश दुबे और शुभम शर्मा और रजत पाटीदार ने शतकीय पारियां खेलीं। दूसरे विकेट के लिए शुभम शर्मा और यश दुबे ने 222 रन की साझेदारी कर मध्यप्रदेश को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया शुभम शर्मा 116 रन बनाकर आउट हुए। यश दुबे ने 133 और रजत पाटीदार ने 122 रन की पारी खेली। मुंबई के लिए तुषार देशपांडे ने तीन विकेट और सम्स मुलानी ने पांच विकेट लिए थे। जबकि मोहित अवस्थी को दो विकेट मिले।

कमलेश नागरकोटी के साथ दुर्व्यवहार पर भड़के कोहली

भारतीय फैंस की लगाई क्लास बोले-मैच खेलने आया है या फोटो खिंचवाने

लिस्टरशर। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली फैंस पर भड़क गए। दरअसल लिस्टरशर के खिलाफ प्रैक्टिस मैच के दौरान फील्डिंग कर रहे कमलेश नागरकोटी पर एक फैंस कमेंट कर रहे था, जिसके बाद कोहली ने फैंस की क्लास लगाई। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर है। उसे इस दौरे पर पिछले साल के बचे हुए एक टेस्ट मैच के साथ ही 3 वनडे और इतने ही टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। 1 जुलाई से टेस्ट मैच है। इससे पहले टीम इंडिया लिस्टरशर के खिलाफ प्रैक्टिस मैच खेल रही है। इसी दौरान बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहे कमलेश नागरकोटी को स्टैंड से फैंस कमेंट कर रहे थे। इस पर पवेलियन में खड़े कोहली नाराज हो गए। उन्होंने दर्शकों को शांत रहने के लिए कहा। इस दौरान कुछ फैंस उनसे भी भीड़ गए, लेकिन कोहली पीछे नहीं हटे। उन्होंने शांत कराकर ही दम लिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।इस वीडियो में एक फैंस कोहली से यह कह रहा है कि नागरकोटी को कब से बुला रहा हूं, फोटो ही नहीं खिंचा रहा। मैं जॉब छोड़ के आया हूं। कम से कम फोटो को खिंचवाना ही चाहिए। जिस पर कोहली ने जवाब देते हुए कहा,' मैच खेलने आया है या फोटो खिंचवाने आया है।'

वर्ल्ड कप के दौरान शमी का लिया था पक्ष

यह पहला मौका नहीं है, जब विराट साथियों के लिए खड़े हुए हैं। इससे पहले 2021 में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान मोहम्मद शमी पर कमेंट किया गया था, तब विराट ने प्रेस कांफ्रेंस में शमी का पक्ष लिया था। इस पर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया था।

पहली पारी में अंपायर से भी हुई थी कोहली की बहस

कोहली की पहली पारी में अंपायर से भी बहस हुई थी। अंपायर ने रोमन वॉकर की जोरदार अपील के बाद विराट को एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया। इस पर कोहली नाराज हो गए और अंपायर से भिड़ गए थे। अंपायर ने उन्हें आउट देने का कारण बताया। इसके बाद वह पवेलियन लौट गए। कोहली ने पहली पारी में 69 गेंद पर 33 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 4 चौके और एक छक्का भी लगाया था।MP **के बड़े स्कोर में 3 शतकवीरों का रहा योगदान**

मुंबई की पहली पारी के 374 रन के जवाब में मध्यप्रदेश ने 536 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। यश दुबे और शुभम शर्मा और रजत पाटीदार ने शतकीय पारियां खेलीं। दूसरे विकेट के लिए शुभम शर्मा और यश दुबे ने 222 रन की साझेदारी कर मध्यप्रदेश को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया शुभम शर्मा 116 रन बनाकर आउट हुए। यश दुबे ने 133 और रजत पाटीदार ने 122 रन की पारी खेली। मुंबई के लिए तुषार देशपांडे ने तीन विकेट और सम्स मुलानी ने पांच विकेट लिए थे। जबकि मोहित अवस्थी को दो विकेट मिले।

रियल मैड्रिड के पूर्व फुटबॉलर गेरेथ बेल का बड़ा फैसला, अमेरिका के लास एंजिलिस एफसी से किया करार

नई दिल्ली। लास एंजिलिस एफसी ने वेल्स के स्टार फारवर्ड गेरेथ बेल के साथ करार किया है। बेल इससे पहले रियल मैड्रिड के साथ जुड़े थे लेकिन आगामी सत्र में अमेरिका की मेजर लीग सॉकर (एमएलएल) में खेलते हुए नजर आएंगे। इस करार की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने एपी को यह जानकारी दी। लास एंजिलिस एफसी और बेल के बीच 12 महीने के करार को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। लास एंजिलिस की टीम ने इसी महीने इटली के डिफेंडर जॉर्जियो चिलेनी से भी करार किया है।

नए वॉरशिप पर चीन का बड़बोलापन :कहा- फुजियान जैसा एयरक्राफ्ट कैरियर दुनिया में नहीं, इंडियन नेवी ने तकनीक पर सवाल उठाए

दुबई: चीन की नेवी जल्द ही अपने तीसरे एयरक्राफ्ट कैरियर 'फुजियान' को नौसेना के बेड़े में शामिल करने जा रही है। चीन का दावा है कि यह एयरक्राफ्ट कैरियर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम से लैस है। इस एयरक्राफ्ट कैरियर को समुद्र में अमेरिकी वर्चस्व के लिए चुनौती माना जा रहा है। हालांकि, यह बात किसी से ढकी-छुपी नहीं है कि चीन अपनी सैन्य ताकत का अक्सर बढ़ा-चढ़ा कर बखान करता है। ऐसे में चीन का फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर को लेकर जो दावा भी शक के घेरे में है। फुजियान एयरक्राफ्ट स्टीम एनर्जी (भाप की शक्ति) से संचालित होता है। जबकि, एटॉमिक एनर्जी से चलने वाला अमेरिकन नेवी का सुपरकैरियर गेराल्ड फोर्ड आज तक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम लैस नहीं हो पाया है। फुजियान को लेकर दावा है कि यह कैरियर इंडो-पैसिफिक में अमेरिका सैन्य शक्ति का जवाब है। हालांकि, भारतीय नौसेना के एडमिरल इस कैरियर की क्षमता पर बुनियादी सवाल उठा रहे हैं। भारतीय नेवी के वॉर प्लानर्स यह जानना चाहते हैं कि चीन भाप की शक्ति पर EMALS कैसे ऑपरेट करेगा। जबकि, इससे बहुत बेहतरीन स गेराल्ड फोर्ड अभी तक इस सिस्टम को लेकर संघर्ष कर रहा है।

किसी भी एयरक्राफ्ट कैरियर से फाइटर प्लेन को लॉन्च करने के लिए एक खास तरह के सिस्टम की जरूरत होती है। क्योंकि, एयरक्राफ्ट कैरियर का रनवे जमीन में मौजूद रनवे से छोटा होता है। इसलिए एयरक्राफ्ट कैरियर पर प्लेन की लैंडिग और लॉन्च के लिए एक खास तरह के सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है, जिसे CATO-BAR सिस्टम कहा जाता है। CATOBAR सिस्टम का काम किसी भी एयरफ्राफ्ट कैरियर से फाइटर प्लेन को लॉन्च और रिकवर करना होता है। यह सिस्टम दो तरह के होते हैं। पहला स्टीम कैटापल्ट जो आज के ज्यादातर कैरियर में यूज होता है। दूसरा इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम होता है।

नेपाल की काठमांडू घाटी में पानी पुरी बैन :12 लोगों के हैजा संक्रमित होने के बाद लिया फैसला

काठमांडू घाटी : नेपाल की काठमांडू घाटी के ललितपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी में पानी पुरी बेचने पर रोक लगा दी गई है। घाटी में हैजा के 12 मामले सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया है। दरअसल, पानी पुरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पानी में बैक्टीरिया मिलने से लोकल एडमिनिस्ट्रेशन को यह कदम उठाना पड़ा।

सिटी पुलिस के हेड सीताराम हचेथु ने बताया कि घाटी में हैजा फैलने का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए भीड़ भाड़ वाले इलाकों में पानी पुरी की बिक्री रोकने की तैयारी कर ली गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, हाल ही में 7 नए मरीज मिलने के बाद घाटी में हैजा मरीजों की संख्या 12 पहुंच गई है। संक्रमितों का इलाज में सुकरराज ट्रॉपिकल एंड इंफेक्शियस डिजीज हॉस्पिटल में चल रहा है। इस बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि अगर वे हैजा के किसी भी लक्षण का अनुभव करते हैं तो तुरंत अपने नजदीकी हॉस्पिटल पहुंचें।

दूषित भोजन और पानी से फैसला है हैजा

हैजा फैलने का मुख्य कारण दूषित भोजन और पानी है। यह गंदे हाथों और नाखूनों के जरिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भी हो सकता है। इस वजह से गंभीर दस्त की समस्या होती है, जिससे डीहाइड्रेशन की स्थिति पैदा हो जाती है और समय पर इलाज न हो तो कुछ ही घंटों में मौत भी हो सकती है।

साउथ अफ्रीका के नाइटक्लब में मिले 21 स्टूडेंट्स के शव: मरने वालों में 13 साल का बच्चा भी शामिल, मौत की वजह साफ नहीं

केप टाउन : साउथ अफ्रीका में एक नाइटक्लब में 21 स्टूडेंट्स के शव मिलने से सनसनी फैल गई। मारे गए बच्चे हाई स्कूल एग्जाम खत्म होने का जश्न मनाने के लिए क्लब गए हुए थे। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। एक पुलिस ऑफिसर के मुताबिक, मारे गए बच्चों के शरीर पर किसी तरह की चोट के निशान नहीं मिले हैं। घटना में मारे गए स्टूडेंट्स की उम्र 13-17 साल बताई जा रही है। ब्रिगेडियर थेम्बिंकोसी किनाना ने कहा- हमें सूचना मिली कि पूर्वी लंदन में स्थित सीनरी पार्क के पास एक नाइटक्लाब में 21 स्टूडेंट्स की मौत हो गई है। 8 लड़कियों और 13 लड़कों के शव मिले हैं। 17 शव क्लब के अंदर से मिले। 4 बच्चों की मौत इलाज के दौरान हो गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

किनाना ने कहा- मौत के कारण का पता लगाया जा रहा है। घटना की जांच की जा रही है। फिलहाल लाशों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्राइमरी इन्वेस्टिगेशन से लगता है कि मौत जहर की वजह से हुई है। हम ये भी मानकर चल रहे हैं कि- हो सकता है किसी वजह से यहां भगदड़ मच गई हो, जिसमें स्टूडेंट्स की मौत हो गई।

जी-7 नेताओं ने उड़ाया पुतिन का मजाक:रूसी राष्ट्रपति की शर्टलेस तस्वीर देखकर ब्रिटिश पीएम बोले- हमें भी अपने पैक्स दिखाने चाहिए

वाशिंगटन। जी-7 देशों के नेताओं ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का मजाक उड़ाया। जर्मनी में इन नेताओं ने लंच के दौरान पुतिन का उस तस्वीर को लेकर मजाक बनाया, जिसमें वह बिना किसी शर्ट के एक घोड़े पर बैठे हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने मजाक की शुरुआत की। उन्होंने कहा- जैकेट पहने? जैकेट उतारें? इस पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा- फोटो खिंचाने का इंतजार कीजिए। इस पर बोरिस जॉनसन ने एक बार फिर कहा- हमें ये दिखाना होगा कि हम पुतिन से ज्यादा मजबूत हैं।

पुतिन की इस फोटो का उड़ा मजाक

जी7 के नेता 2009 में खींची गई पुतिन की उस तस्वीर का जिक्र कर रहे थे जिसमें वह साइबेरियन टावा क्षेत्र के पहाड़ों में बिना शर्ट के घोड़े की सवारी कर रहे थे। फोटो में पुतिन एक चेन और चश्मा पहने हुए भी नजर आ रहे हैं।

जस्टिन ट्रूडो ने पुतिन पर तंज कसते हुए कहा- हम भी बिना शर्ट के घुड़सवारी करते हुए फोटो खिंचाएंगे। मजाक यहीं नहीं रुका। यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा- घोड़े की सवारी बेस्ट है। इस पर बोरिस जॉनसन ने कहा- हमें भी उन्हें अपने पैक्स दिखाने होंगे। हालांकि, इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पुतिन का मजाक नहीं उड़ाया।

पहले भी कई बार शर्टलेस फोटो खिंचवा चुके हैं पुतिन

पुतिन बिना शर्ट पहने कई बार फोटो खिंचवा चुके हैं। 2018 में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा था- मुझे कुछ भी छिपाने की कोई जरूरत नहीं है। जब मैं छुट्टी पर होता हूं, तो मुझे लगता है कि छिपाने की कोई जरूरत नहीं है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

जी-7 नेताओं के इकट्ठा होते ही रूस का हमला तेज

रूस-यूक्रेन जंग को 4 महीने से ज्यादा हो गए हैं। हमले अब भी जारी हैं। 26 जून को जर्मनी में होने वाली जी-7 समिट से पहले रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर एक के बाद एक करीब 14 मिसाइलें दागीं। इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पश्चिमी गठबंधन को एकजुट बनाए रखने की कोशिश में हैं। बाइडेन लगातार रूस के हमले की आलोचना करते रहे हैं। इससे पहले बाइडन ने रूसी हमले को बर्बरता बताया था।

अमेरिकी महिलाएं कर रहीं सेक्स हड़ताल, जानिए कब तक नहीं बनाएंगी संबंध और क्या है उनकी मांग

न्यूयार्क। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ महिलाएं अनूठी सेक्स हड़ताल करने जा रही है। इसके तहत देश में गर्भपात को कानूनी वैधता नहीं मिलने तक वे पुरुषों से संबंध नहीं बनाने का आह्वान कर रही हैं। अनूठी सेक्स स्ट्राइक की मांग सोशल मीडिया में जोर पकड़ती जा रही है।

मामला यह है कि अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात के अधिकार को खत्म कर दिया है। इससे 26 राज्य इस पर पाबंदी का कानून बनाने पर विचार कर रह रहे हैं। इससे महिलाएं खफा हैं। वे अनूठे ढंग से इसके खिलाफ आंदोलन छेड़ रहे हैं। महिलाएं अपने इस आंदोलन में पुरुषों से भी सहयोग मांग रही हैं।

किसी पुरुष से संबंध नहीं रखेंगी

अमेरिकी महिलाएं सोशल मीडिया के जरिए पुरुषों से तब तक सेक्स से बचने के लिए कह रही हैं जब तक कि गर्भपात का अधिकार की बहाली का संघीय कानून नहीं बनता। सोशल मीडिया में अनूठे हैशटैग से हड़ताल को लेकर अभियान चलाए जा रहे हैं। #Se&Strike ¥õÚU #absti-

ठ्ढ्ठुष्द्ध ट्रेंड हो रहे हैं। महिलाओं का कहना है कि हम गर्भावस्था का खतरा नहीं उठा सकती हैं, इसलिए हम किसी भी पुरुष के साथ यौन संबंध नहीं रखेंगे। पति के साथ भी संबंध नहीं बनाएंगे। जब तक हम गर्भवती नहीं होना चाहेंगी, तब तक यौन संबंध नहीं बनाएंगी।

हमारे शरीर पर हमारा अधिकार नहीं तो पुरुषों का भी नहीं

अमेरिकी महिलाओं का कहना है कि यदि हमारे शरीर पर हमारा अधिकार नहीं है तो पुरुषों का भी नहीं है। एक यूजर ने ट्वीट किया, 'मैं न्यूयॉर्क में रहती हूं और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ हूं। मैं ऐसे लोगों को ढूंढ रही हूं जो सेक्स स्ट्राइक का समर्थन कर रहे हैं। यही हमारी ताकत है। गर्भपात के अधिकार को संघीय कानून बनने तक सेक्स न करें।' देशव्यापी सेक्स स्ट्राइक का समर्थन करते हुए एक अन्य महिला ने लिखा 'जब तक महिलाओं को गर्भपात का कानूनी हक नहीं मिलता तब तक पुरुषों से संबंध न बनाएं।'

दुष्कर्म पीड़िता माया डेमरी भी अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर जमकर भड़कीं हैं। उसने लिखा कि 'अगर यह दुनिया सोचती है कि वे हमेशा के लिए महिलाओं पर अत्याचार कर सकते हैं, तो हम अपने पैर सिकोड़ लेंगे।' कैरोलाइन हीले ने कहा कि इस फैसले से संकेत मिलता है कि एक पुरुष की सेक्स लाइफ ज्यादा अहम है, बजाए महिला के।

फैसले का हो रहा कड़ा विरोध, सीनेट के बाहर उग्र प्रदर्शन

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का कड़ा विरोध हो रहा है। इसके खिलाफ लोग सड़कों पर भी उतर आए हैं। एरिजोना कैपिटल के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। प्रदर्शनकारियों ने सीनेट भवन के शीशे के दरवाजों से धक्कामुक्की शुरू की तो कई सांसद हमले की आशंका से इमारत के तहखाने में जाकर छिप गए।

आए दिन हो रहे हिंसक हमलों में कमी लाएगा नया कानून, गोलीबारी में इस साल हो चुकी है 372 लोगों की मौत

न्यूयार्क। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बायपार्टिसन सेफर कम्युनिटीज (बीएससी) एक्ट, यानी द्विदलीय सुरक्षित समुदाय अधिनियम पर हस्ताक्षर कर इसे कानून के तौर पर लागू करने की इजाजत दी। तीन दशक में पहली बार शस्त्र (बंदूक) नियंत्रण को लेकर बने इस संघीय कानून की पृष्ठभूमि में इस वर्ष एक जनवरी से लेकर 20 जून तक हुए 321 से ज्यादा गोलीबारी के मामले हैं, जिनमें 372 लोगों की मौत हुई है और 1300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

यही वजह है कि धुर विरोधी रिपब्लिकन व डेमोक्रेट सांसदों ने मिलकर विधेयक को पारित किया। करीब महीनेभर तक रिपब्लिकन व डेमोक्रेट सांसदों के बीच कानून के मसौदे और प्रावधानों को लेकर चर्चा चली। माह की शुरुआत दोनों दलों के सांसदों ने बंदूकों पर लगाम लगाने के कानून पर सैद्धांतिक समझौता किया, 14 रिपब्लिकन सीनेटरों के समर्थन से विधेयक पारित हुआ।

व्यापक अपेक्षाएं पर दायर सीमित

कानून के सीमित दायरे की वजह से बहुत से लोग इससे निराश हैं। हालांकि, कुछ अहम क्षेत्रों में बंदूकों पर कड़ा नियंत्रण लगाता है।

इस कानून में कई ऐसे प्रावधान हैं, जो अमेरिका में जारी गोलीबारी और हिंसा के संकट से निपटने में मदद कर सकते हैं।

बंदूकें जब्त करने का हक

लाग्रेंज कॉलेज में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर जॉन ए ट्यूरेज कहते हैं, यह कानून राज्यों की पुलिस को लोगों की बंदूकें जब्त करने का भी अधिकार देता है।

घरेलू हिंसा कानून की खामियां खत्म

मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में क्रिमिनल जस्टिस की प्रोफेसर एप्रिल एम जेयोली एक शोध के हवाले से कहती हैं कि पुरुष साथी के पास बंदूक होने से महिला की हत्या की आशंका पांच गुना हो जाती है। कानून घरेलू हिंसा कानून की खामियां खत्म करता है।

बिरजू महाराज और उदय शंकर की शिष्या ने चीन में भारतीय नृत्यों को दिलाई लोकप्रियता, दिग्गज शास्त्रीय नृत्यांगना झांग जुन को नाटिका से दी श्रद्धांजलि

बीजिंग। भरतनाट्यम, कथक और ओडिसी जैसे भारतीय शास्त्रीय नृत्यों में पारंगत महान कलाकार दिवंगत झांग जुन को प्रशंसक चीन में अपने ही अंदाज में याद कर रहे हैं। उन्होंने बिरजू महाराज और उदय शंकर जैसे दिग्गजों से दीक्षा ली थी। उनके 300 से ज्यादा प्रशंसकों की मौजूदगी में जुन के शिष्यों-शिष्याओं ने नृत्यनाटिका के जरिए गुरु को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उनके कई शिष्य चीन में शास्त्रीय नृत्यों को बढ़ावा दे रहे हैं। एशिया इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के सभागार में हुए आयोजन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत और बैंक अध्यक्ष जिन लिकुन भी मौजूद रहे।

पुत्र ने कहा, ऊर्जा से भरा रहता था घर

झांग के बेटे हान शियाओ शिया कहते हैं, मां जब भी भारत से लौटतीं तो घर का माहौल

अनोखी ऊर्जा से भर जाता। दिनभर भारतीय संगीत बजता और मां थिरकती रहतीं।

दस साल पहले हो गया था निधन

1933 में जन्मी झांग जुन का 2012 में कैंसर से निधन हो गया था। 1950 से 1975 के बीच भरतनाट्यम, कथक और ओडिसी सीखने के लिए कई बार भारत की यात्रा की। इन नृत्यों को चीन में लोकप्रिय बनाया।

अब तक की सबसे अधिक गहराई में मिला अमेरिकी युद्धपोत का मलबा, 78 साल पहले डूबा था जहाज

फिलीपीन । फिलीपीन सागर में गोताखोरों को डूबे हुए जहाज का मलबा मिला है। जहाज 'यूएसएस सैमुअल बी रॉबर्ट्स' का मलबा 23 हजार फीट (6,895 मीटर) की गहराई में मिला। इस जहाज को 'सैमी बी' भी कहा जाता है। हालांकि, 'सैमी बी' की खोज वैज्ञानिकों ने नहीं की है। इसे टेक्सास के एक अरबपति विक्टर वेस्कोवो ने खोजा है, जिनके पास एक डीप-डाइविंग सबमर्सिबल है। 'सैमी बी' दो भागों में टूटा हुआ मिला। यह अब तक खोजा गया सबसे गहरा मलबा है। इससे पहले वेस्कोवो ने पिछले साल 21,223 फीट की गहराई में यूएसएस जॉनस्टन को खोजा था। यह अंतिम बचे अमेरिकी जहाजों में से एक था जिसे जापानियों के खिलाफ अपनी बहादुरी के लिए जाना जाता है। वेस्कोवो ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, समुद्र के तल में 'सैमी बी' को देखा जा सकता है। ऐसा लग रहा है इसका अगला हिस्सा तेजी के साथ तल से टकराया था, जिस वजह से यह क्षतिग्रस्त हो गया है।

द्वितीय विश्व युद्ध में जापान से लिया था लोहा

यह 306 फीट लंबा जहाज एक मारक जहाज था। इसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका की नौसेना के लिए बनाया गया था। लेयते खाड़ी की बड़ी लड़ाई का हिस्सा रहे 'बैटल ऑफ समर' में जापान के साथ आमने सामने की लड़ाई के दौरान अक्तूबर 1944 में ये पानी में डूब गया था। इस जहाज में 224 क्रू मेंबर्स थे, जिसमें से 89 की जहाज के साथ डूबने से मौत हो गई थी। लेकिन इसके डूबने की सटीक जगह के बारे में अभी तक पता नहीं चल पाया था।

डूबने से 89 लोगों की मौत-15 अक्तूबर को जापानियों ने फिलीपींस के तट पर मित्र देशों की नौसेना को पीछे हटाने के लिए गोलाबारी की, जो पश्चिम के रास्ते में थे। जापानी बेड़ा जहाज पर भारी पड़ा लेकिन यह पानी में तैरता रहा। गोलाबारी में दीवारें क्षतिग्रस्त होने के बाद यह पानी में डूब गया। 'सैमी बी' पर उस वक्त 224 लोग सवार थे जिसमें से 89 की मौत हो गई थी। जिंदा बचे लोग 50 घंटों तक नाव पर तैरते रहे, इसके बाद उन्हें बचाया गया।

जी-7 के नए इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लान पर तुरंत ही उठे कई सवाल

एलमाउ। दुनिया के सबसे धनी 'लोकतांत्रिक' देशों के समूह जी-7 के नेताओं ने जब अपना वैश्विक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लान घोषित किया, तो तुरंत उस पर कई सवाल उठाए गए। 600 बिलियन डॉलर की इस योजना का एलान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने किया। हालांकि बाइडन ने अपने भाषण में चीन का नाम नहीं लिया, लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक यह जग-जाहिर है कि ये योजना चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के जवाब में तैयार की गई है। साल भर पहले जब जी-7 की शिखर बैठक ब्रिटेन में हुई थी, तब भी ऐसी योजना का एलान हुआ था। उस समय उसका नाम बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड रखा गया था। लेकिन उस पर कोई प्रगति नहीं हुई। इस बीच बिल्ड बैक बेटर नाम से अमेरिका में घोषित बाइडन की योजना को उनकी ही डेमोक्रेटिक पार्टी का पूरा समर्थन नहीं मिल सका। अब बाइडन ने पार्टनरशिप फॉर ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर नाम से नई योजना घोषित की है। इस बीच यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन अलग-अलग अपनी ऐसी योजना का एलान कर चुके हैं।

चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट की सच्चाइ- चीन ने बीआरआई के तहत एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में दर्जनों विकासशील देशों से गहरा रिश्ता बना लिया है। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों का आरोप है कि बीआरआई के तहत चीन जो कर्ज देता है, उसमें गोपनीय शर्तें शामिल की जाती हैं। इस कारण संबंधित देश को बताई गई रकम की तुलना में अधिक रकम चुकानी पड़ती है। इसके अलावा चीनी प्रोजेक्ट में जलवायु परिवर्तन संबंधी लक्ष्यों की अनदेखी की जाती है। अमेरिकी अधिकारियों ने रविवार को कहा कि अब पश्चिमी देश विकासशील देशों को अपना विकल्प देंगे। बाइडन ने कहा कि नई योजना के तहत कई देशों में शुरुआती प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू हो चुका है। उनमें अंगोला में सौर ऊर्जा परियोजना, सेनेगल में वैक्सीन उत्पादन कारखाना लगाने की परियोजना, रोमानिया में मोड्यूलर रिएक्टर लगाने की परियोजना, और सिंगापुर से मिस्त्र होते हुए फ्रांस तक समुद्र के अंदर दूरसंचार केबल बिछाने की परियोजना शामिल है।

ब्रिटिश अखबार द गार्जियन ने अपनी एक रिपोर्ट में ध्यान दिलाया है कि इस बीच ईयू 300 बिलियन यूरो की अपनी ग्लोबल गेटवे योजना पर काम शुरू कर चुकी है। उधर ब्रिटेन ने क्लीन ग्रीन इनिशिएटिव प्रोजेक्ट लॉन्च किया है। जापान भी क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की 65 बिलियन डॉलर की योजना का खाका तैयार कर रहा है। अब पार्टनरशिप फॉर ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर योजना के साथ इन सबका तालमेल बनाने की चुनौती पेश आएगी।

उपग्रह कैरियर के साथ ईरान ने किया रॉकेट प्रक्षेपित, अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता बहाली से पहले उठाया कदम

तेहरान। परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ वार्ता बहाली के बीच तेहरान से बड़ी खबर सामने आई है। ईरान ने रॉकेट प्रक्षेपित किया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने रविवार को इसकी जानकारी दी। ईरान की परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत में आए गतिरोध को दूर करने के लिये यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने हाल ही में तेहरान यात्रा की थी। बोरेल ने शनिवार को घोषणा की थी कि ईरान और

सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने उपग्रह कैरियर के साथ यह रॉकेट प्रक्षेपित किया है। ये खबर तब आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता फिर से शुरू होने पर सहमति बन सकती है। हालांकि, ईरान ने अभी यह नहीं बताया है कि रॉकेट का प्रक्षेपण कब किया गया। रेगिस्तानी क्षेत्र से रॉकेट प्रक्षेपण की तैयारी से जुड़ी तस्वीरें सामने आने के बाद सरकारी टीवी ने इस बारे में जानकारी दी। सरकारी टीवी ने दावा किया कि रॉकेट प्रक्षेपण सफल रहा।इस बीच ये भी ध्यान देने योग्य है कि ईरान के अमेरिका आने वाले दिनों में अप्रत्यक्ष रूप से वार्ता बहाल करेंगे। इसके बाद रॉकेट प्रक्षेपण की जानकारी सामने आई है।

इससे पहले जब ईरान ने रॉकेट प्रक्षेपण किया था तो अमेरिका ने आपत्ति जताई थी। तब अमेरिका ने ईरान की इस कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्पों का उल्लंघन करार दिया था। दूसरी तरफ ईरान भी दावा करता रहा है कि वह परमाणु हथियारों का इच्छुक नहीं है। ईरान ने दावा किया था कि उपग्रह और रॉकेट प्रक्षेपण सैन्य उपकरणों का हिस्सा नहीं हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश 211019 से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र कौशाम्बी, प्रयागराज होगा।

रूस ने जी-7 बैठक से पहले ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों से कीव को दहलाया

मास्को। रूस की घेराबंदी के लिए जर्मनी में हो रहे जी-7 शिखर सम्मेलन की शुरुआत के साथ ही रूस ने भी यूक्रेन की राजधानी पर मिसाइलें बरसाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। युद्ध के शुरुआती दौर को छोड़ दें तो रूस ने कीव को बहुत ज्यादा निशाना नहीं बनाया है। कीव पर रूस तभी हमला करता है, जब उसे पश्चिमी देशों की तरफ से उसके खिलाफ उठाए गए कदमों पर विरोध जताना होता है। रूस ने कीव पर जमकर मिसाइलें दागीं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के प्रशासनिक प्रमुख आंद्रीय येरमक ने बताया, मिसाइल हमलों से रिहायशी इलाकों में नुकसान हुआ है और एक किंडरगार्डन तबाह हो गया। हमलों में पांच लोग घायल हुए हैं। कीव के मेयर विताली क्लित्सश्को ने कहा, रविवार को कीव पर हुआ हमला जून माह में सबसे बड़ा है। इससे नौ रिहायशी इमारतें तबाह हो गईं और शहर में जगह-जगह आग लगी है। मलबे में कई लोग दबे हैं। अब तक

हमलों से बचे रहे मध्य यूक्रेनी शहर चेर्कासी में रविवार को एक के बाद एक कई धमाके हुए। गवर्नर एलेक्जेंडर स्कीचको ने कहा, रूस ने नागरिक ठिकानों पर मिसाइलें बरसाईं, जबकि रूस ने इससे इनकार किया। उधर, स्पेन ने 28-30 जून तक मैड्रिड में होने वाले नाटो सम्मेलन से पहले दक्षिण में अफ्रीकी देशों की तरफ ध्यान खींचा, जहां रूसी दखल लगातार बढ़ रहा है।

जर्मनी ने वैश्विक साझेदारों को भी बुलाया

बैठक में मेजबान जर्मनी ने प्रमुख साझेदारों को भी आमंत्रित किया है। इनमें भारत, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना व सेनेगल हैं। शोल्ज ने कहा था, यह ॅम्मेलन दुनिया को बताएगा कि नाटो व जी-7 पहले से कहीं अधिक संगठित व एकजुट हैं।

रूस से सोने के आयात पर प्रतिबंध का एलान

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा, जी-7 देश रूस से सोने के आयात पर प्रतिबंध लगाने जा रहे हैं। इससे रूस का युद्ध उन्माद कम होगा। ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान व अमेरिका के समूह (जी-7) की जर्मनी के एलमौ में 26 से 28 जून के दौरान शिखर बैठक हो रही है। यूक्रेन-रूस के बीच जारी युद्ध के साये में हो रहे इस शिखर सम्मेलन में जी-7 के सामने ऊर्जा व खाद्य सुरक्षा की चुनौती है। इससे दुनिया के ज्यादातर देश बढ़ती मुद्रास्फीति से जूझ रहे हैं। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि ईंधन के बाद रूस सोना का सबसे ज्यादा निर्यात करता है।

वैश्विक बुनियादी ढांचे पर बड़े एलान संभव: जो बाइडन की सलाहकार राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ने कहा कि बैठक में वैश्विक अवसंरचना भागीदारी कार्यक्रम के बड़े एलान होंगे। ईंधन पर और कड़े होंगे प्रतिबंध एक जर्मन अधिकारी ने बताया कि बैठक में खासतौर पर यूरोप की रूसी ईंधन पर निर्भरता से निपटने के उपायों पर चर्चा होगी। सभी देश रूस को ईंधन व्यापार से होने वाले मुनाफे को कम करेंगे।